बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 207 | रविवार 17 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

झांसी के सरकारी अस्पताल में लगी आग

10 बच्चों की जलकर मौत,16 झुलसे

झांसी।

झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई अस्पताल के शिशु वॉर्ड में शॉर्ट सर्किट के चलते भीषण आग लग गई। खबर है कि हादसे में 10 बच्चों की मौत हो गई है और 37 को सुरक्षित बचा लिया गया है। आग लगने से अस्पताल में भगदड़ मच गई। इस हादसे में कई परिवारों ने अपने मासूमों को खो दिया। बीती रात झांसी स्थित महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात गहन चिकित्सा इकाई में भीषण आग लगने से कम से कम 10 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 16 अन्य गंभीर घायल हो गए। यह हादसा शॉर्ट सर्किट की वजह से हुआ माना जा रहा है। आग लगने से अस्पताल में अफरातफरी मच गई। परिजन और मरीज जान बचाने के लिए भागने लगे, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर 37 बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के समय कुल 54 बच्चे भर्ती थे। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना जा रहा है। एसएसपी ने कहा, इस घटना के पीछे किन परिस्थितियों या लापरवाही की वजह से आग लगी, इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि हादसे के बाद कुछ माता-पिता अपने बच्चों को घर ले गए। एनआईसीयू में भर्ती बच्चों की स्थिति का सत्यापन किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज ने बताया कि हादसे के समय 52 से 54 बच्चे एनआईसीयू में भर्ती थे, जिनमें से 10 की मौत हो गई और 16 का इलाज चल रहा है। 1968 में शुरू हुआ यह सरकारी मेडिकल कॉलेज बुंदेलखंड क्षेत्र के सबसे बड़े अस्पतालों में से एक है। घटना के बाद एनआईसीयू में बचाव कार्य रात 1 बजे तक पूरा कर लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि घटना से संबंधित सभी तथ्यों को खंगालने के बाद रिपोर्ट सार्वजनिक की जाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना को दिल दहला देने वाला बताया और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा, झांसी जिले के मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में हुई दुर्घटना में बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। जिलाधिकारी और संबंधित अधिकारियों को युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव कार्य करने का निर्देश दिया गया है। मैं प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें।वार्ड से बच्चों को बचाने वाले याकूब ने बताया कि मेनगेट से कोई जा नहीं पा रहा था इसलिए उन्होंने ईंट-पत्थरों से खिड़की तोड़कर बच्चों को बचाया। इस दौरान कई लोग बच्चों को लेकर भाग भी गए। अस्पताल परिसर में मौजूद एक और शख्स ने बताया कि हादसे में उनके बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की डिलीवरी ललितपुर के एक प्राइवेट अस्पताल में हुई थी जहां से उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया था लेकिन बीती रात आग में जलकर उसकी जान चली गई।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

[सुविचार]

इन्सान तब तक
सहन करता है जब तक
उसकी सहन करने की क्षमता होती है,
उसके बाद वो ना तो रिश्तों को जरुरी
समझता है और ना तो अपनों को !!

संक्षिप्त समाचार

20 नवंबर को मतदान के कारण 6 राज्यों में रहेगी सार्वजनिक छुट्टी

नई दिल्ली। 20 नवंबर को झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, केरल और उत्तराखंड में मतदान होनो है जिसके चलते यहां सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इन राज्यों में स्कूल, कॉलेज, बैंक, पोस्ट ऑफिस और सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे ताकि मतदाता बिना किसी बाधा के अपने मतदान का इस्तेमाल कर सकें। झारखंड में 38 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होना है यहां दूसरे चरण के लिए मतदान होगा। 12 जिलों के 528 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 1.23 करोड़ से ज्यादा मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे। महाराष्ट्र में एक ही चरण में चुनाव होंगे। कुल 4,140 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जो 2019 के विधानसभा चुनाव की तुलना में 28 फीसदी ज्यादा हैं। वहीं यूपी की 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है जिसमें फूलपुर, गाजियाबाद, मझवां, खैर, मीरापुर, सीसामऊ, कटेहरी, करहल और कुंदरकी सीटें हैं। पंजाब में 4 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे जिसमें डेरा बाबा नानक, छब्बेवाल, गिद्दड़बाहा, बरनाला हैं। केरल की एक विधानसभा सीट पलक्कड़, उत्तराखंड की एक विधानसभा सीट केदारनाथ और महाराष्ट्र की एक लोकसभा सीट नांदेड़ लोकसभा पर मतदान होगा। राज्य सरकारों ने मतदान में नागरिकों की भागीदारी तय करने के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है। सभी सीटों के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे।

स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की कार्रवाई से खुश हुए अमित शाह, मादक पदार्थ के खिलाफ एक्शन जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने दिल्ली में करीब 900 करोड़ रुपये मूल्य की 80 किलोग्राम से अधिक कोकीन जब्त की है। कार्रवाई को मोदी सरकार द्वारा मादक पदार्थ रैकेट के खिलाफ चलाए जा रहे कड़े अभियान का हिस्सा बताकर शाह ने कहा कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने पोस्ट कर कहा कि ''इस दिन एक और बड़ी सफलता'' स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी), नौसेना और गुजरात एटीएस द्वारा संयुक्त अभियान में गुजरात अपतटीय क्षेत्र से करीब 700 किलोग्राम मेथमफेटामाइन की बरामदगी के साथ हुई। इस अभियान में आठ ईरानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, ''यह अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ एक ही दिन में लगातार दो बड़ी सफलताएं हैं, जो मोदी सरकार के नशा मुक्त भारत बनाने के संकल्प को दर्शाती हैं।

3.25 लाख ट्यूलिप से खिल उठेगी नई दिल्ली

नई दिल्ली। नई दिल्ली एरिया को ट्यूलिप सिटी बनाने का प्लान तैयार किया है। शांति पथ, अकबर रोड, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी सहित अलग-अलग इलाकों में इस साल करीब 3.25 लाख ट्यूलिप लगाए जाएंगे। इसके लिए कई तरह की तैयारियां चल रही हैं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल के अनुसार, नई दिल्ली एरिया को ट्यूलिप सिटी के रूप में डिवेलप किया जाएगा। लोदी गार्डन में एक ऐसी नर्सरी बनाई गई है, जहां देसी माहौल में ट्यूलिप डिवेलप किए जा सकते हैं। इस नर्सरी में 20 हजार ट्यूलिप डिवेलप किए जा रहे हैं। उम्मीद है कि 18 हजार ट्यूलिप दिसंबर के आखिर तक सैपलिंग के लिए तैयार हो जाएंगे। इसके अलावा एनडीएमसी इस बार 5.5 लाख ट्यूलिप बल्ब खरीद रही है। इसमें से 3.25 लाख बल्ब तो एनडीएमसी एरिया में लगाए जाएंगे। शांति पथ के पास ढाई-तीन किमी लंबे स्ट्रेच में 80 से 90 हजार ट्यूलिप बल्ब लगाने का प्लान है। अकबर रोड, इंडिया गेट, न्याय मार्ग और बाकी जगहों पर भी इसी तरह से ट्यूलिप लगाए जाएंगे।

डेमचॉक और देपसांग इलाकों में पेट्रोलिंग फ्रिक्वेंसी पहले से ज्यादा नहीं होगी

भारत-चीन को समझौते के तहत एक-दूसरे को एक दिन पहले देनी होगी सूचना

नई दिल्ली।

पूर्वी लद्दाख के डेमचॉक और देपसांग इलाकों में भारत और चीन के बीच पेट्रोलिंग गतिविधियां जारी हैं। दोनों देशों ने कुल सात पॉइंट्स में से दो पर पेट्रोलिंग प्रक्रिया पूरी कर ली है, बाकी पांच पॉइंट्स पर अभी तक तारीख तय नहीं दी गई है। समझौते के मुताबिक पेट्रोलिंग से पहले एक-दूसरे को कम से कम एक दिन पहले इसकी सूचना देना जरुरी होगा।

सूत्रों के मुताबिक समझौते में यह तय किया गया है कि अप्रैल 2020 से पहले पेट्रोलिंग की जो सामान्य फ्रिक्वेंसी थी, उससे ज्यादा नहीं की जाएगी। पहले भारत महीने में एक पेट्रोलिंग करता था और बर्फबारी के दौरान 2-3 महीने तक पेट्रोलिंग रुक जाती थी। चीन भी इसी पैटर्न का पालन करता था और कभी-कभी तो चीनी सैनिक पेट्रोलिंग करते ही नहीं थे। इस समय भी वही पैटर्न लागू रहेगा।

देपसांग में बाकी चार पॉइंट्स पर दोनों देशों के सैनिक पहले स्वतंत्र रूप से पेट्रोलिंग करेंगे और इसके बाद पेट्रोलिंग की फ्रिक्वेंसी अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति में वापस आ जाएगी। डेमचॉक और देपसांग में पेट्रोलिंग करने में करीब 5-6 घंटे से लेकर 20 घंटे तक का समय लगता है, जो पेट्रोलिंग के मार्ग और लंबाई पर निर्भर करता है।

भारत ने 2017 में डेमचॉक में सीएनएन जंक्शन तक पहुंचने के लिए एक नया रास्ता बनाया था, जिसका चीन ने विरोध किया था।

वह रास्ता पूरी तरह से तैयार नहीं था। बातचीत में यह तय हुआ कि इस रास्ते का अब कोई भी पक्ष इस्तेमाल नहीं करेगा। चीन ने इस रास्ते को हटाने की मांग की थी, लेकिन भारतीय पक्ष ने साफ कहा कि वह इसका इस्तेमाल नहीं करेगा। भरोसा दिलाने के लिए भारत ने इस रास्ते में कुछ जगहों पर गड्ढे भी बना दिए हैं। चीन ने भी डेमचॉक में एलएसी के पास एक नया रास्ता बनाने की कोशिश की थी, लेकिन काम रोक दिया गया था। दोनों देशों ने यह वादा किया है कि वे इन नए रास्तों का इस्तेमाल नहीं करेंगे।

पाकिस्तान से बांग्लादेश पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनर, भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हुई सतर्क

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान ने बांग्लादेश को समुद्र के रास्ते हथियार भेजने का पहला कदम उठाया है, इससे भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठानों में चिंता बढ़ गई है। कराची से बांग्लादेश के चटगांव तक पहुंचे 300 से ज्यादा कंटेनरों में हथियारों की बड़ी खेप होने की खबर है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद पहला सीधा समुद्री संपर्क है, जो दोनों देशों के रिश्तों में एक नई शुरुआत का संकेत है।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पाकिस्तान के साथ संबंधों में बदलाव का संकेत दिया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के नेताओं की संयुक्त राष्ट्र की बैठक में मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने की उम्मीद जाहिर की थी। बांग्लादेश ने पाकिस्तान से तोपखाने के गोले, टैंक गोला-बारूद, विस्फोटक और प्रोजेक्टाइल का ऑर्डर किया था, और अब बांग्लादेश की सेना को पाकिस्तानी हथियारों की पहली खेप मिल चुकी है। वहीं भारतीय सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, समुद्री संपर्क से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में दिक्कत बढ़ सकती है। चटगांव और मोंगला बांग्लादेश के प्रमुख बंदरगाह हैं, जो दशकों तक पाकिस्तान की पहुंच से बाहर थे। लेकिन अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच सीधा समुद्री संपर्क स्थापित होने से इन दोनों देशों के रिश्तों में नए समीकरण बन सकते हैं, जो भारत की सुरक्षा स्थिति के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं।

दिल्ली से लाहौर तक फैली जहरीली हवा, एक्युआई 450 के पार

-मौसम विभाग की अपील, मॉस्क लगाकर बाहर निकले, बुजुर्ग-बच्चे घर में ही रहें

नई दिल्ली।

दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर जहरीली हवा फैलने से संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों में दिल्ली से लेकर लाहौर तक के इलाके को गैस चैंबर जैसी स्थिति में दिखाया है। स्थिर हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली की बिगड़ती हवा से एक्युआई 450 के पार हो गया है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्युआई 406 रहा। आनंद विहार और अशोक विहार में 438 दर्ज किया गया।प्रगति मैदान और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्युआई 357 रहा, जिसे खराब श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉग की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आंखों और गले में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है। अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तापमान में भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। ठंड के साथ हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषण का स्तर और खराब हो सकता है। मौसम

प्रदूषण ने इससे बचने के उपाय बताएं हैं। जिसमें कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चे और बुजुर्ग घर के अंदर ही रहें। इनडोर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। मॉर्निंग वॉक या व्यायाम बाहर करने से बचें। आंखों की जलन से बचने के लिए चश्मा पहनें। यह जहरीली हवा केवल आज की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सामूहिक प्रयासों से ही इस संकट को दूर किया जा सकता है।

चीन की कर्ज-जाल कूटनीति से फंसते जा रहे पड़ोसी मुल्क...भारत के लिए चिंताएं बढ़ी

नई दिल्ली ।

भारत के पड़ोसी देशों पर चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा और व्यापारिक हितों को चुनौती मिल रही है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों में चीन के बड़े निवेश और परियोजनाओं ने भारत के लिए रणनीतिक चिंताए पैदा कर दी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) और कर्ज-जाल कूटनीति से ये देश चीन के प्रति अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी), नेपाल में नक्शे विवाद, बांग्लादेश में आर्थिक निवेश, और श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर नियंत्रण इसके मुख्य उदाहरण हैं। भारत इन चुनौतियों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग बढ़ा रहा है। क्वाड जैसे संगठन और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ कूटनीतिक संबंधों को मजबूत कर रहा है। साथ ही, भारत चाबहार बंदरगाह परियोजना और घरेलू रक्षा उत्पादन के जरिए अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटा है। विश्लेषकों का कहना है कि क्षेत्रीय स्थिरता बनाए

रखने के लिए भारत को पड़ोसी देशों के साथ अपने सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों को और गहरा करना होगा।

भारत की रणनीति : भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का यह संगठन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए सक्रिय है। क्वाड की हालिया बैठक में चीन के खिलाफ आर्थिक, सुरक्षा और सामरिक उपायों पर चर्चा हुई।

चाबहार बंदरगाह: चीन के बढते प्रभाव के बीच भारत ने ईरान में चाबहार बंदरगाह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजना है, जो चीन के ग्वादर बंदरगाह का मुकाबला कर सकता है। वहीं रूस, ईरान और अन्य देशों के साथ व्यापारिक और सैन्य संबंध मजबूत कर भारत अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। रेलू रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए सैन्य शक्ति में वृद्धि की जा रही है।

भारतीय शिक्षण मंडल के शोधार्थी सम्मेलन में शामिल हुए आरएसएस प्रमुख

मात्र चार फीसदी आबादी को ही 80 फीसदी संसाधन मिलते हैं: भागवत

नई दिल्ली।

भारतीय शिक्षण मंडल के तीन दिवसीय शोधार्थी सम्मेलन का उद्घाटन एसजीटी यूनिवर्सिटी में किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत शामिल हुए। इस सम्मेलन का विषय था विजन फॉर विकसित भारत और इसका उद्देश्य शोधार्थियों को एकजुट करके देश के विकास में उनके योगदान को समझना और प्रेरित करना था। उद्घाटन सत्र में भागवत ने कहा कि भारत की विशेषता उसकी समग्र दृष्टि में है।

आरएसएस प्रमुख ने तकनीकी प्रगति के मापदंडों पर चर्चा की, जिसमें उन्होंने कहा कि मात्र चार फीसदी आबादी को 80 फीसदी संसाधन मिलते हैं, और ऐसे विकास में कठिन मेहनत की जरुरत होती है। इस दौरान निराशा भी हो सकती है और कभी कठोर कदम भी उठाने पड़ते हैं। उनका इशारा उन चुनौतियों की ओर था, जो आजकल सामाजिक और आर्थिक असमानता के रूप में सामने आ रही हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह सवाल गंभीर है कि क्या हम विकास की राह में पर्यावरण को नजरअंदाज कर सकते हैं या हमें प्रकृति के संतुलित तरीके से विकास करना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि जीवन की गुणवत्ता, सामाजिक कल्याण और स्थिरता को विकास के मापदंडों में शामिल किया जाना चाहिए, न कि केवल आर्थिक और भौतिक संपन्नता को ही प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस अवसर पर इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ ने पीएम मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने का यह सही समय बताया और देश के वैज्ञानिकों और शोधार्थियों की भूमिका को अहम माना। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने भी सम्मेलन में कहा कि यह पहला मौका है जब करीब दो लाख प्रतिभागियों में से चुने हुए 1200 शोधार्थी एक ही छत के नीचे जमा हुए हैं, जो कि एक ऐतिहासिक पल है।

उनका मानना है कि शोध और शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के

आयोजनों से भारत को एक नई दिशा मिलेगी और देश का समग्र विकास संभव होगा। यह सम्मेलन युवाओं और शोधार्थियों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है, जो भविष्य में अपने कार्यों से समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने का काम करेंगे।

देश के लिये कलंक है मिलावटी व नकली खाद्य सामग्री का चलन

निर्मल रानी

पूरा देश इस बात से भली भांति वाकिफ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज्यादा दूध व दूध से बनी जरूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आखिर कहाँ से आता है ? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वी डी ओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नकली व जहरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नकली व मिलावटी देसी घी,खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है।

कम से कम समय व लागत में अधिक से अधिक धन कमाने जैसी शार्ट कट मानवीय प्रवृति ने लगभग पूरे देश को संकट में डाल रखा है। भारतीय बाजार में नकली व मिलावटी सामानों की भरमार इसी प्रवृति का नतीजा है । परन्तु जब यही मिलावटखोरी या नकली सामग्री का इस्तेमाल खाद्य सामग्रियों में होने लगता है तो निःसंदेह यह सीधे तौर पर इंसान की जान से खिलवाड़ करने या धीमा जहर देने के सिवा और कुछ नहीं। पूरा देश इस बात से भली भांति वाकिफ है कि हमारे देश में दूध का जितना उत्पादन होता है उससे कई गुना ज्यादा दूध व दूध से बनी जरूरी सामग्री की खपत होती है। यह दूध आखिर कहाँ से आता है ? सोशल मीडिया के वर्तमान दौर में ऐसी अनगिनत वी डी ओ वायरल हो चुकी हैं जिनमें नकली व जहरीला दूध बनते देखा जा सकता है। नकली व मिलावटी देसी घी,खोया सब कुछ देश में बन रहा है व बेचा जा रहा है। असली नकली का भेद न कर पाने वाली आम जनता उसी धीमे जहर को खाने पीने के लिये मजबूर है। और इन्हीं या इनसे बनी अनेक खाद्य सामग्रियों का सेवन कर तरह तरह की बीमारियों का शिकार हो रही है। अब तो हद यह हो गयी है कि पिछले दिनों देश की राजधानी दिल्ली,गाजियाबाद,मोदीनगर और हरियाणा के जींद से अमूल जैसे लोकप्रिय देसी घी सहित कई अन्य कम्पनीज के ब्रांड के नाम पर बनने वाला नकली घी पकड़ा गया। जहरीली खाद्य सामग्री का व्यवसाय करने वाले यह लोग टेट्रा पैक पर अमूल घी, मधुसूदन घी, मदर डेयरी घी, पतंजलि गाय घी, वर्का घी, नेस्ले एवरीडे घी, आनंद घी, परम देशी घी, मिल्कफूड देशी घी, मधु घी, लक्ष्य घी और श्वेता घी जैसी कम्पनीज के नकली ब्रांड पैक इस्तेमाल करते थे। और इन्हीं अलग अलग कंपनी के ब्रांड नाम से तैयार किया जा रहा देसी घी बनाकर बाजार में बेच रहे थे। केवल हरियाणा के जींद में जो देसी घी बनाने वाली फैक्टरी पकड़ी गई है वहां 2500 लीटर नकली घी का कच्चा माल बरामद हुआ। पुलिस ने इस मिलावटी नेटवर्क को चलाने में रितिक खंडेलवाल,मथुरा,संजय बंसल, शाहदरा, दिल्ली,रोहित अग्रवाल,मोदीनगर, गाजियाबाद,कृष्ण गोयल,जींद, नरेश सिंघला व अश्वनी उर्फ आशु,जींद को आरोपी बनाया है। नकली जहरीला घी खाने का अर्थ कैंसर

को दावत देना होता है। वैसे तो देसी घी में प्रायः आलू, शकरकंद जैसे स्टार्च की मिलावटी की जाती है। लेकिन कई बार इसमें कोल टार डाई या अन्य खतरनाक रसायन भी मिला दिये जाते हैं जिसके कारण फूड पॉइजनिंग , एलर्जी जैसी परेशानियों से लेकर कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी तक भी हो सकती है।

खबरों के अनुसार गत 12 नवंबर (मंगलवार) को केवल दिल्ली में एक ही दिन में 50 हजार शादियां हुईं। जरा सोचिये कि हर शादी में दूध घी पनीर खोया मिठाई आदि की कितनी खपत हुई होगी। इसी तरह पूरे देश के विवाह आयोजनों व अन्य समारोहों में आप जब जहाँ और जितना भी घी,दूध,दही मक्खन,खोया,पनीर आदि जो भी चाहें आप को मिल जायेगा। सवाल यह है कि जब सरकार व प्रशासन भी इस जालसाजी व मिलावटखोरी की खबरों व इसके नेटवर्क से वाकिफ है और इसे रोकने के लिये पर्याप्त कानून भी बने हैं उसके बावजूद मिलावटखोरी का यह सिलसिला दशकों से क्यों चला आ रहा है ? कुछ लोगों की अधिक धन कमाने की शॉर्टकट प्रवृति ने आखिर पूरे देश को धीमा जहर खाने के लिये क्यों मजबूर कर दिया है। क्यों जहर के इन व्यवसायियों के हौसले दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। यह जानने के लिये पड़ोसी चीन की एक घटना का उल्लेख करना जरूरी है। कुछ वर्ष पूर्व चीन में अपराधी मानसिकता के ऐसे ही दो लोगों द्वारा नकली दूध बनाने का धंधा शुरू किया गया। कुछ दिनों में ही यह नकली दूध जांच के दायरे में आ गया। जब यह नेटवर्क ध्वस्त हुआ तो वहां की सरकार ने इन दोनों ही अपराधियों को सजा-ए-मौत दे दी। तब से आजतक वहां नकली दूध के किसी दूसरे नेटवर्क ने अपना सिर बुलंद नहीं किया।

हमारे देश में इस तरह के नकली,मिलावटी व जहरीले खाद्य नेटवर्क को बढ़ावा देने के पीछे सच पूछिए तो सरकार,प्रशासन व जनता,कुछ न कुछ सभी जिम्मेदार हैं। यदि आप देश के समाचारपत्रों पर नजर डालें तो शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिसदिन इस तरह का नकली,मिलावटी व जहरीला खाद्य सामग्री का नेटवर्क पकड़ा न जाता हो। परन्तु आपको यह खबर बहुत कम बल्कि ना के बराबर पढ़ने को मिलेगी कि अमुक नकली,मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े लोगों को सख़्त सजा हुई हो। इसका कारण है कि जो प्रशासन मिलावटखोरी के नेटवर्क को पकड़े जाने की वाहवाही जिस तरीके से लूटता है वही उनसे जुड़े उन सुबूतों को अदालत तक उस मुस्तैदी के साथ नहीं पहुंचा पाता जैसा कि छापेमारी के समय मीडिया में नजर आता है। अब चूँकि आदालतें साक्ष्य,गवाही व दस्तावेजों के आधार पर ही अपने फैसले सुनाती हैं और अदालत में साक्ष्य,गवाही व दस्तावेजों को उपलब्ध कराना कार्यपालिका का विषय है, इसलिये साक्ष्य,गवाही व दस्तावेजों के अभाव में सभी गिरफ़्तार आरोपियों को सजा नहीं मिल पाती। इसीलिये यह आम धारणा बन चुकी है कि इसतरह के नेटवर्क से जुड़े लोग भ्रष्टाचार व रिश्वत के दम पर स्वयं को बचा ले जाते हैं और जाहिर है कि बरी होने के बाद यही लोग बुलंद हौसले के साथ आम लोगों को जहर बेचने का यही काम फिर शुरू कर देते हैं।

जनता इसलिये जिम्मेदार है कि वह ऐसे अपराधियों को समाज में संरक्षण देती है। जो लोग नकली,मिलावटी खाद्य नेटवर्क से जुड़े होते हैं वे एलियन नहीं न ही वे आसमान से टपकते हैं । वे भी किसी गली मोहल्ले कॉलोनी या शहरों व गांव में रहते हैं। जब यह लोग जहर बेचते पकड़े जाते हैं तो इनके रिश्ते नातेदार पड़ोसी सभी को इनके करतूतों का पता चलता है। वास्तव में समाज को ऐसे लोगों का पूर्णतः सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। यदि अपनी चालाकियों या रिश्वत के बल पर यह अदालत से बरी भी हो जाएँ तो भी पास पड़ोस के लोगों व इनके सभी जानने वालों को इनका सामाजिक बहिष्कार करना चाहिये। आश्चर्य है कि जो लोग समाज को जहर देकर मारने का संगठित व इरादतन अपराध करते हों उसी समाज के लोग इन अपराधियों को अपने सर माथे पर बिठाते हैं ? इससे भी इनके हौसले बुलंद होते हैं। और ऐसे ही लोगों के चलते मिलावटी व नकली खाद्य सामग्री का बढ़ता चलन देश के लिये कलंक बनता जा रहा है।

संपादकीय

आपसी समन्वय जरूरी

मणिपुर में नये सिरे से हिंसा भड़क ने के बाद केंद्र सरकार ने उग्रवादियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का फैसला किया है। इस क्रम में पहले केंद्रीय सुरक्षा बलों की अतिरिक्त 20 कंपनियों को हवाई मार्ग से भेजा गया। इसके बाद बृहस्पतिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय इस नतीजे पर पहुंचा कि मणिपुर में स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हिंसा और अराजकता पर नियंत्रण के लिए पांच जिलों के छह पुलिस थानों को अशांत घोषित करते हुए फिर से सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) लागू कर दिया गया। पिछले वर्ष अप्रैल-मई में राज्य में हिंसा शुरू होने से ठीक पहले केंद्र सरकार ने सात जिलों के 19 पुलिस थानों से अफस्पा हटा लिया था। जिन थानों में फिर से अफस्पा लागू किया गया है, उनमें इम्फाल पश्चिम जिले में सेकमाई और लमसांग, इम्फाल पूर्वी जिले में लमलाई, जिरीबाग जिले में जिरीबाग, कांगमोकपी में लीमाखोंग और विष्णुपुर में मोइरांग शामिल हैं। अफस्पा अशांत क्षेत्रों तैनात सुरक्षा बलों को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष अधिकार और संरक्षण देता है। अफस्पा की वापसी से जाहिर होता है कि डेढ़ साल से ज्यादा समय से जातीय हिंसा से ग्रसित मणिपुर की स्थिति में सुधार नहीं हुआ है। सोमवार को जिरीबाग में उग्रवादियों और सीआरपीएफ के जवानों के बीच गोलीबारी में 20 उग्रवादी मारे गए थे। इस घटना का विशेष महत्त्व इसलिए है कि पहली बार उग्रवादियों और सीआरपीएफ के जवानों के बीच गोलीबारी और मुठभेड़.हुई। अब तक राज्य के हिंसा प्रभावित क्षेत्र में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने बहुत संयम से काम लिया है। वास्तव में उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की एक पोस्ट पर हमला किया था। इस मुठभेड़.के बाद उम्मीद थी कि उग्रवादियों के हौसले पस्त हो जाएंगे लेकिन हिंसा और बढ़ गई। जातीय हिंसा के दौर में केंद्रीय सुरक्षा बलों को असामान्य परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। मैतेई समुदाय असम राइफल्स पर कुकी के प्रति पक्षपातपूर्ण होने का आरोप लगा रहा है तो कुकी दूसरे सुरक्षा बल पर पक्षपात करने का आरोप लगा रहे हैं। मणिपुर में हिंसा पर नियंत्रण करने के लिए बनाए गए एकीकृत कमान को लेकर भी खींचतान है। इसके कारण मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, सीआरपीएफ और अन्य केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच ठीक तरह से समन्वय नहीं हो पा रहा है। राज्य में शांति बहाली न होने की एक बड़ी वजह यह हो सकती है। मणिपुर सीमावर्ती राज्य होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील है। उम्मीद है कि केंद्र सरकार राज्य में शांति बहाल करने के उपायों पर गंभीरता से विचार-विमर्श कर रही होगी।

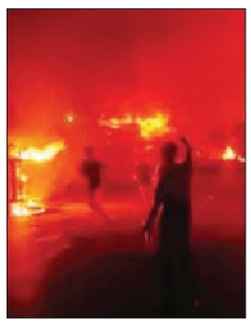

चिंतन-मनन

समता की अनुभूति

मनोबल के विकास का दूसरा सूत्र बताया गया है- स्व दर्शन समता का दर्शन या परमात्मा का दर्शन। प्रांस की यूनिवर्सिटी का एक प्रोफेसर अहंकार में आकर बोला, मैं दुनिया का सर्वश्रेष्ठ आदमी हूं। किसी ने पूछ लिया-यह कैसे? उसने कहा, प्रांस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश है। पेरिस प्रांस का सर्वश्रेष्ठ नगर और हमारा विश्वविद्यालय हमारे नगर का सर्वश्रेष्ठ क्षेत्र। दर्शन का विभाग उसमें सर्वश्रेष्ठ। मैं उसका अध्यक्ष। इसलिए मैं सर्वश्रेष्ठ आदमी। यह कैसा गणित है! हमारी दृष्टि जब दूसरों की ओर जाती है तो यही निष्कर्ष निकलता है कि हम दूसरों को काटते जाते हैं, तोड़ते जाते हैं और दूसरों के संदर्भ में हम अपने को सर्वश्रेष्ठ प्रतिष्ठापित करते जाते हैं। इसके अतिरिक्त कोई निष्कर्ष निकलता ही नहीं है। जब स्व-दर्शन में आदमी आता है तो उसे अनुभव होता है कि न प्रांस सर्वश्रेष्ठ, न पेरिस सर्वश्रेष्ठ, न विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ, न दर्शन का विभाग सर्वश्रेष्ठ और न विभागाध्यक्ष। सब समान है। सब व्यक्ति समान, सब देश समान, सब राष्ट्र समान और सब आत्माएं समान।

जो समता के क्षण में जाता है, उसे यह नहीं लगता कि यह अलग, वह अलग। उसे लगता है कि सब मेरे-जैसे हैं। यह समान ही समान का गणित ऐसा चलता है कि अनन्त में से अनंत निकालो तो भी पीछे अनन्त ही रहेगा। अनन्त में अनन्त मिलाओ तो भी अनन्त ही रहेगा। समता में मिलाते जाओ, निष्कर्ष समता। यह समता की अनुभूति जब जागती है, तब एक विचित्र अनुभव होता है। उसे जगाने का जो सूत्र है, वह मनोबल को जगाने का परम सूत्र होता है।

महाराष्ट्र नहीं अब मणिपुर की फिक्र कीजिये माई-बाप

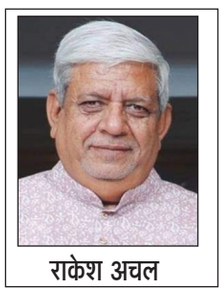

राकेश अचल

हे ईश्वर ! आप भाजपा को बिना किसी अवरोध के झारखण्ड और महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव जितवा दीजिये ताकि केंद्र की सरकार इन दोनों राज्यों की फिक्र छोड़कर डेढ़ साल से भस्मीभूत हो रहे मणिपुर को राख होने से बचा सके। मणिपुर में हालात जम्मू- काश्मीर से भी ज्यादा भयावह और अकल्पनीय हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गत गुरुवार 14 नवंबर, को मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के मद्देनजर पांच जिलों में छह पुलिस थानों की सीमाओं को अशांत क्षेत्र घोषित करते हुए सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए) को फिर से लागू कर दिया है।

केंद्र की मशीनरी वोट पाने के लिए महाराष्ट्र में गड़े मुर्दे उखाड़ रही है तो झारखण्ड के आदिवासियों को खुश करने के लिए दिल्ली में सूफी संत काले खान के नाम पर बनी सराय पर बिरसा मुंडा का नाम चस्पा कर रही है। चुनाव जीतने के लिए केंद्र को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को हैलीकाप्टर से उड़ने की इजाजत नहीं दी जा रही है ,तो धड़ाधड़ ईडी के छापों के जरिये मतदाताओं को हड़काने की कोशिश की जा रही है ,लेकिन मणिपुर की फिक्र किसी को नहीं है। जम्मू-कश्मीर की फिक्र वहां विधानसभा चुनाव हारने के बाद भाजपा पहले ही छोड़ चुकी है। महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनावी शोरगुल में मणिपुर की आग और वहां की जनता की चीख-पुकार किसी को सुनाई ही नहीं दे रही। अब तो ऐसा लगने लगा है कि मणिपुर इस देश का हिस्सा है ही नहीं और यदि है तो ठीक वैसे ही है जैसे किसी जमाने में रूस में

साइबेरिया होता था। आपको बता दें कि जो सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (एएफएसपीए)मणिपुर में लागू किया गया है वो सशस्त्र बलों को बेलगाम शक्ति देता है, स्थानीय जनता शुरू से इस अधिनियम के खिलाफ रही है। जहां तक मुझे याद है कि अप्रैल 2022 में मणिपुर सरकार की ओर से बेहतर सुरक्षा स्थिति और आम जनता के बीच सुरक्षा की बड़ी भावना के बीच इन क्षेत्रों से हटा लिया गया था. अब स्थिति बिगड़ने पर इसे फिर से लागू किया गया है. नया आदेश 31 मार्च, 2025 तक प्रभावी रहेगा।

पता नहीं क्यों देश के प्रधानमंत्री मणिपुर जाने से कतरा रहे है। उन्हें दरअसल चुनावों से ही फुरसत कहाँ मिल रही है ? पहले जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव ,फिर महाराष्ट्र और झारखण्ड के चुनाव और इनसे फारिग होते ही बिहार और दिल्ली विधानसभा के चुनावों में उन्हें लगना है। हमारी सरकार ये हकीकत समझने के लिए तैयार ही नहीं है कि मणिपुर को सशत्र बलों की नहीं बल्कि उन नारेबाजों कि जरूरत है जो इस समय महाराष्ट्र और झारखण्ड में बंटोगे तो काटोगे या एक रहोगे तो सेफ रहोगे का आव्हान करते घूम रहे हैं। मणिपुर की तरह महाराष्ट्र और झारखण्ड में सुरक्षा इतनी बड़ी समस्या नहीं है। प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के अग्निमुखी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में यदि जरा भी साहस है, विवेक है ,बुद्धि है तो उन्हें तत्काल महाराष्ट्र और झारखण्ड कि चिंता छोड़कर मणिपुर कूच करना चाहिए।

महाराष्ट्र और झारखण्ड में नेताओं के आगे-पीछे घूमने वाला मीडिया भी प्रधानमंत्री और योगी आदित्यनाथ की तरह मणिपुर जाने से घबड़ाता है। हमारा बहादुर मीडिया यूक्रेन युद्ध कव्हर करने जा सकता है । अमेरिका के रष्ट्रपति चुनाव का कव्हरेज करने जा सकता है , इजराइल-लेबनान युद्ध दिखने जा सकता है ,लेकिन मणिपुर नहीं जा सकत। हिमत ही नहीं है किसी में। आपको किसी टीवी चैनल ने शायद ही ये खबर दी हो कि मणिपुर के जिरीबाम जिले में पांच दिन पहले 11 नवंबर को सैनिकों की वर्दी पहनकर आए उग्रवादियों ने एक पुलिस थाने और निकटवर्ती सीआरपीएफ शिविर पर अंधाधुंध फायरिंग की थी। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई में 11 संदिग्ध उग्रवादी मारे गए थे। इस एनकाउंटर के अगले दिन यानी 12 नवंबर को सशस्त्र आतंकवादियों ने जिले से महिलाओं और बच्चों सहित छह नागरिकों को अगवा कर लिया। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव और बढ़ गया है। 7 नवंबर से शुरू हुई हिंसा में कम से कम 14 लोग मारे गए हैं, जिनमें तीन पुरुष और महिलाएं शामिल है। हारकर हालात बिगड़ते देख केंद्र सरकार ने यहाँ पुराना कानून लागू करने का फैसला किय।

सवाल ये है कि सरकार मणिपुर को लेकर जो नीति अपना रही है उससे क्या मणिपुर की हिंसा समाप्त हो जाएगी ? मणिपुर 3 मई 2023 से हिंसा की आग में जल रहा है। यानि मणिपुर को जलते हुए पूरे 18 महीने हो चुके हैं। इस हिंसा की वजह से करीब 50 हजार से ज्यादा लोग अपना घर छोड़कर राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। कुकी और मैतेई के बीच चल रहे इस जातीय संघर्ष में अब तक 200से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है,लेकिन देश के प्रधनमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक दिन के लिए भी मणिपुर जाने की फुरसत नहीं मिली ,हालाँकि इस बीच वे तीसरी बार सत्ता में भी आ गए । दो बार रूस और यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए विदेश दौरे भी कर आये। लोकसभा में विपक्ष के नेता जब इस पद पर नहीं थे तब भी दो बार मणिपुर गए लेकिन उनके हाथ में सिवाय पीड़ितों के प्रति संवेदना जताने के कुछ था ही नही। हाँ उनके पास वो साहस जरूर था जिसका नितांत अभाव महाबली प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी और देश के गृहमंत्री श्रीमान अमित शाह जी में बहुत ज्यादा है। तकलीफ इस बात से भी है कि केंद्र मणिपुर की नाकारा सरकार को अभयदान देकर बैठी है सो अलग। केंद्र करे भी तो क्या करे सूबे की सरकार उसकी अपनी जो है।

भारत में पूर्वोत्तर राज्यों में अशांति कोई नया मामला है। इससे पहले भी देश ने अरुणाचल ,असम, नागालैंड में ऐसे ही दौर देखे हैं,लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इन सभी समस्याओं को निबटाया। आज की सरकार तो मणिपुर के मामले में पूरी तरह से नाकाम हुई है । जम्मू-काश्मीर और केरल को लेकर कश्मीर फाइल और केरल फाइल जैसी फिल्में बनाने वाले विवेक अग्निहोत्री जैसे फिल्म निमार्ता मणिपुर का सच और सरकार की नाकामी पर फिल्म बनाने का साहस जुटा नहीं पा रहे हैं। देश कि सांसद 25 नवंबर से फिर बैठने वाली ह। देखना है कि सरकार किस मुंह से इस सांसद में मणिपुर को लेकर बोलती है ?

कबूतरों से खतरा : हल तो निकालना ही होगा

भगवती प्रसाद डोभाल

हाल ही में कुछ अध्ययनों से चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं, जिनमें कबूतरों से खतरे की बात बताई गई है। इनमें नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टीबी एंड रेस्पिरेटरी डिजीज के डॉ. मीत घोनिया ने बताया कि कबूतर की बीट में साल्मोनेला, ई. कोली और इंफ्लूएंजा-जैसे रोगाणु होते हैं, जिनसे अस्थमा-जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। कहा है कि इन दिनों ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ रही है, जो कबूतरों के संपर्क में रहे हैं। उसका कारण यही माना जा रहा है कि कबूतरों की बीट में जो रसायन पाया जाता है, वह स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक है।

डॉ. मीत ने बताया कि जब कबूतर एक जगह ज्यादा संख्या में होते हैं, तब उनकी बीट से क्रिप्टोकोकी जैसे फंगल बीजाणुओं के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। यही बीजाणु हवा में अधिक मात्रा में होने के कारण व्यक्ति की सांस के माध्यम से फेफड़ों में चला जाता है। फिर सांस लेने में परेशानी हो जाती है। इस परेशानी से अस्थमा के मरीज बढ़ रहे हैं। यह एक ऐसा बीजाणु है, जो मनुष्य की जान लेने का कारण बनता है।

गंभीर बीमारी टीबी के फैलने के खतरों को देखते हुए दिल्ली नगर निगम ने प्रस्ताव रखा है कि दिल्ली में कबूतरों की बढ़ती आबादी को रोकने के लिए कबूतरों को दाना देने वालों को रोका जाए। यह भी सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है कि जहां-जहां दिल्ली शहर में कबूतरों को दाना डालने के स्थान लोगों ने बनाए हैं, उन्हें बंद किया जाए। एमसीडी द्वारा दाना डालने वाले स्थानों को रोकने से जनता खुश नहीं है। उसका कारण है लोगों की भावना। वे इन पक्षियों को जीवित रखना चाहते हैं। इतना ही नहीं, दाना देने वाली जगहों पर ऐसे व्यापारी भी बैठे होते हैं, जो कबूतरों के लिए दाना बिकवाते हैं; वे भी इस रोक से परेशान हैं, उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है। दिल्ली के कनाट प्लेस, बाराखंबा, मंडी हाउस, पटेल नगर, शंकर रोड, मंदिर मार्ग, कड़कड़डूमा, करोल बाग और रोहतक रोड के कई इलाकों के चौक-चौराहों पर कबूतरों के लिए दानागाह हैं। इन स्थानों पर नागरिक दूर-दूर से कबूतरों को दाना देने आते हैं, और उनके लिए पीने के पानी का बंदोबस्त भी किया जाता है। देखा गया है कि अधिकांश पक्षियों की प्रजातियां दिल्ली से लुप्त होती जा रही हैं।

गौरया को दिल्ली राज्य के पक्षी की मान्यता दी गई थी पर आज वह खोजने पर भी नहीं मिलती; लुप्त होने का कारण दिल्ली अब उसके रहने लायक नहीं रह गई। छोटे-छोटे स्थानों और पार्कों में वह अपनी संतति बढ़ाने के लिए घोसलों का निर्माण करती थी, लेकिन अब वे स्थान उसके लिए उपयुक्त नहीं रहे। साथ ही, भीड़ भरे स्थानों में गौरया का जीना दूभर हो गया है। ऐसे ही बहुत सारी प्रजातियां दिल्ली से लुप्त हो गई हैं। अब कबूतर ही दिल्ली में सर्वाइव कर रहे हैं क्योंकि वे बड़ी-बड़ी बहुमंजिली इमारतों में अपने घोसले बनाने का प्रयास करते हैं, छिपने का स्थान ढूंढ़ कर संतति बढ़ाते हैं। इसलिए कुछ स्थानों को छोड़ कर कबूतर दिख जाते हैं। वैसे कबूतर का मनुष्य से पुराना रिश्ता भी है। पुराने जमाने में वे ही संदेशवाहक का काम करते थे। राजा-महाराजाओं के संदेशों को पहुंचाने का इतिहास कबूतरों का ही रहा है।

इससे पता चलता है कि वे अक्सर आदमियों के करीब ही रहना ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन आज देश की बढ़ती अबादी महानगरों में ही सिमटने को अपना भविष्य मानती है। इस कारण इको सिस्टम ही बदल रहा है। वैज्ञानिक उपलब्धि का फायदा मनुष्य तो ले रहा है पर पर्यावरण को दरकिनार कर नई-नई दुश्वारियों को बुलावा भी दे रहा है। संतुलित विकास का समीकरण ही बदल गया है। इसके साथ ही नये-नये वायरस भी जन्म ले रहे हैं, उनकी वजह से पूरा विश्व ही परेशानियों से जूझ रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण कोरोना काल है। मृत्यु का तांडव कोरोना काल में रहा। अब आप अपने आसपास के जीव-जंतुओं को ही मिटाना चाहते हैं। वैसे, शांति के प्रतीक कबूतरों से अगर वाकई मानव जीवन को खतरा है, तो इसका हल तलाशना भी वैज्ञानिकों के लिए जरूरी है।

दिल्ली के चिकित्सकों ने भी कबूतरों के आवासों को मिटाने के लिए एमसीडी की योजना को सही माना है, और कबूतरों के पोषण के स्थानों को मिटाने का बिल

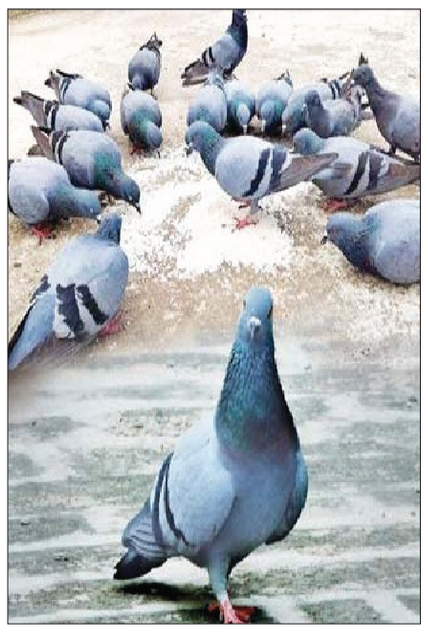

लाया जा रहा है, लेकिन कबूतरों को संरक्षण देने में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9/51 काम कर सकती है। दिल्ली के प्रशासकों और वैज्ञानिकों को ऐसे अनुसंधान की ओर बढ़ना चाहिए जिसमें फंगस, साल्मोनेला ई. कोली-जो कबूतरों को हमसे दूर करता जा रहा है-को मारने के लिए दवा का ईजाद किया जाना निहायत जरूरी है, ताकि हमारा एक प्रिय पक्षी हमसे दूर न होने पाए।

स्कूल के बच्चों एवं यातायात विभाग के द्वारा किया गया जागरूक

संस्कार उजाला ब्यूरो

आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी एवं पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार सिंह, जिलाधिकारी नगेंद्र प्रतापे एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से यातायात माह नवंबर 2024 के निर्देशन में पूरे नवंबर माह में चलने वाले यातायात माह के अंतर्गत प्रतिदिन वाहनों की चेकिंग के साथ-साथ लोगों को जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को शहर के कालू कुआं चौराहे पर यातायात माह नवंबर माह 2024 के अंतर्गत सेंट मैरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल बांदा के छात्र /छात्राओं द्वारा कालू कुआं चौराहे पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आम जनमानस को जागरूक करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक जनपद बांदा शिवराज जी द्वारा छात्र /छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के तहत स्वयं से ही इस मिशन को प्रारंभ करने की नसीहत दी तथा परिवार को बिना हेलमेट पहने व्यक्ति को हेल्मेट गिफ्ट करने की परंपरा को जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया। शिक्षित होते हुए भी नियमों का पालन न करना एक दंडनीय अपराध है हम सभी को नियमों का पालन करते हुए दुर्घटना में कमी लाने का प्रयास करना चाहिए। मंडलीय मास्टर ट्रेनर सड़क सुरक्षा चित्रकूट धाम मंडल बांदा डॉ.पीयूष मिश्र ने यातायात नियमों से परिचित कराते हुए छात्रों को नोडल छात्र के रूप में इस अभियान के लिए नियुक्त किया तथा उनके द्वारा किए की जा रहे कार्यों हेतु समापन अवसर पर पुरस्कृत करने की बात कही तथा 18 वर्ष से कम उम्र के छात्र /छात्राओं को दो पहिया वाहन ना चलाने के लिए प्रेरित किया तथा प्रधानाचार्य सेंट मैरी डेविड से अपेक्षा की कि नाबालिक छात्रों को दो पहिया वाहन चलाने की स्थिति में सड़क सुरक्षा समिति के माध्यम से बैठक करके अभिभावकों को जागरूक करें तथा अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन के तहत समय- समय पर जागरूकता अभियान का आयोजन कर अभिभावकों को भी सम्मिलित करने का प्रयास करें, यदि माता-पिता नाबालिक छात्रों को वाहन चलाने के लिए प्रेरित करें तो उन्हें स्वयं (छात्रों द्वारा) ही जागरुक करते हुए वाहन चलाने के नियम बताएं क्षेत्राधिकार प्रगति चौहान ने नशे की हालत में वाहन ना चलाने तथा ट्रिपलिंग सवारी से बचने की बात करते हुए दो पहिया वाहन से हो रही दुर्घटनाओं से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर समाजसेवी सदस्य जिला स्तरीय समन्वय समिति दुर्घटना जांच समिति), सुनील सक्सेना ने छात्र/छात्राओं का उत्साह वर्धन किया एवं सेंटमैरी के छात्र-छात्राओं को 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन ना चलाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया स्कूल के प्रधानाचार्या फादर डेविड जेम्स की अगुवाई में सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फादर डेविड जेम्स सेंटमेरी ने आए हुए अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु दिए गए सुझावों पर अमल करने का विश्वास दिलाया। इस बाजपेयी, शशि गुप्ता, सरिता सिंह आदि का सहयोग सराहनीय रहा।अंत में डॉ. पीयूष मिश्र द्वारा सभी को सड़क सुरक्षा शपथ दिलाई गई।

डीएम के निर्देश पर कार्तिक पूर्णिमा मेले का समापन होने पर गंगा घाटों पर चलाया गया विशेष सफाई अभियान

संस्कार उजाला

हापुड़। जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा के दिशा निर्देश पर में गढ़ गंगा खादर क्षेत्र में कार्तिक पूर्णिमा मेला सम्पन्न होने के उपरान्त पंचायती राज विभाग हापुड़ एवं नगर निकाय गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड़/ पिलखुवा, नगर निगम के सफाई कर्मचरियों के द्वारा आपस में समन्वय बनाकर गंगा तट पर लगे कूड़े के ढेरों एवं पॉलीथिन गंदगी आदि की सफाई कराकर कूड़ा गाड़ी में भरकर एक चिन्हित स्थान पर कूड़े के ढ़ेर को डलवाया गया। वही इस सफाई अभियान को लेकर पंचायती राज विभाग एवं नगर निकाय गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड़/ पिलखुवा के अधिकारियों के द्वारा पूर्ण रूप से जिम्मेदारी के साथ गंगा तट पर साफ-सफाई व्यवस्था चाक चौबन्द करायी जायेगी। सफाई अभियान के अवसर पर शिव बिहारी शुक्ला जिला पंचायत राज अधिकारी हापुड़, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर,/ हापुड़/ पिलखुवा,शिवम् पांडेय सहायक विकास अधिकारी-पचायत सिम्भावली, अमित कुमार सहायक विकास अधिकारी- पं0 विकास खण्ड गढ़मुक्तेश्वर, एवं नगर निकाय गढ़मुक्तेश्वर/ हापुड़/ पिलखुवा के आदि अधिकारी एवं सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हापुड़सिंभावली क्षेत्र में बकरी चोर गिरोह सक्रिय आधा दर्जन बकरी चोरी कर घटना को दिया अंजाम

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

गढमुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र में पशु चोर बकरी चोर गिरोह सक्रियता होने के चलते क्षेत्र के पशु पालकों में रोष। पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की लगाई गुहार। बता दें कि सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पशु चोर ग्रहों की सक्रियता के चलते पशु चोरी होने की घटनाएं आए दिन प्रकाश में आ रही है। इसी क्रम में बढढा नहर कॉलोनी निवासी और असलम ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाते हुए अपनी तहरीर में उल्लेख किया है कि एक दिन पूर्व बकरी चोर जब्बार की 6 बकरियां असलम की एक बकरी चोरी कर ले गए हैं। जिसको लेकर दोनों पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं क्षेत्र में पशु चोरी की घटनाओं को लेकर क्षेत्रीय पशुपालकों में रोष व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि सर्दी की दस्तक देते ही पशु कर गिरोह हो सक्रिय हो जाता है। और अपने गोरख धंधे को अंजाम देना शुरू कर देता है। सर्दी की हल्की सी दस्तक शुरू होते ही पशु चोर गिरोह भी सक्रिय हो गया है।

सिंभावली क्षेत्र में बकरी चोर गिरोह सक्रिय आधा दर्जन बकरी चोरी कर घटना को दिया अंजाम

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्रवर्मा

गढमुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र में पशु चोर बकरी चोर गिरोह सक्रियता होने के चलते क्षेत्र के पशु पालकों में रोष। पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्यवाही की लगाई गुहार। बता दें कि सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पशु चोर ग्रहों की सक्रियता के चलते पशु चोरी होने की घटनाएं आए दिन प्रकाश में आ रही है। इसी क्रम में बढढा नहर कॉलोनी निवासी और असलम ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाते हुए अपनी तहरीर में उल्लेख किया है कि एक दिन पूर्व बकरी चोर जब्बार की 6 बकरियां असलम की एक बकरी चोरी कर ले गए हैं। जिसको लेकर दोनों पीड़ितों ने थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं क्षेत्र में पशु चोरी की घटनाओं को लेकर क्षेत्रीय पशुपालकों में रोष व्याप्त है। नागरिकों का कहना है कि सर्दी की दस्तक देते ही पशु कर गिरोह हो सक्रिय हो जाता है। और अपने गोरख धंधे को अंजाम देना शुरू कर देता है। सर्दी की हल्की सी दस्तक शुरू होते ही पशु चोर गिरोह भी सक्रिय हो गया है।

नेशनल हाईवे किनारे सूटकेस में महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच की शुरू

संस्कार उजाला

हापुड़/हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निजामपुर बाईपास के पास नेशनल हाईवे किनारे शूट केस में एक महिला का शव पड़ा मिलने से मची अफरा तफरी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची हापुड नगर कोतवाली पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्रित करते हुए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर सीसीटीवी कैमरे एवं सर्विस लाइंस की मदद से घटना का खुलासा करने को लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेशनल हाईवे पर डंपर में पीछे से घुसी कैंटर ट्रक चालक घायल

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र अंतर्गत थाने के सामने एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कैंटर ट्रक आगे चल रहे डंपर में जा घुसा जिसमें चालक को मामूली चोट आई है। गमीनत रही की एक बड़ा हादसा होने से टल गया। आपको बता दें कि गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के अठसैनी गांव निवासी रोबिन ने बताया कि वह प्रतिदिन सुबह के समय दिल्ली से दुध लेकर अमरोहा जाता है।शनिवार की सुबह कैंटर से अमरोहा जाते समय हाईवे पर आगे चल रहे। एक डंपर ने अचानक ब्रेक लगा दिए।इसके बाद कैंटर अनियंत्रित होकर पीछे से डंपर में घुसकर क्षतिग्रस्त हो गया। जिसमें चालक को मामूली चोट आई है। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी श्यौपाल सिंह ने बताया कि इस संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है। सूचना मिलने पर विधिक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बाबूगढ़ पुलिस ने जमीनी विवाद में भाई की हत्या करने वाले हत्यारे भाई को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्रवर्मा

हापुड़/बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव गोहरा आलमगीरपुर में जमीनी विवाद को लेकर हुई राजकुमार की हत्या के मामले में मु॰अ॰स॰336/24/धारा 103(1)115(2)117(2)बी एन एस में वांछित चल रहे। अभियुक्त अशोक नागर पुत्र फूल सिंह नागर निवासी गोहरा आलमगीरपुर थाना बाबूगढ़ को गिरफ्तार कर विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए भेजा जेल।

जय जय श्री राम के नारों से बाबर की बाबरी टूट गई,खुटार में हुआ खाटू श्याम बाबा का तृतीय भव्य कीर्तन महोत्सव

संस्कार उजाला

खुटार। तिकुनियां से मां पथवारी रोड पर बृहस्पतिवार रात श्री श्याम बाबा का भव्य जागरण हुआ। श्री श्याम परिवार खुटार की ओर से आयोजित जागरण में दूर दराज से आए भक्तों ने श्री श्याम बाबा की ज्योति के समक्ष मत्था टेका। ओम म्यूजिकल ग्रुप के प्रसिद्ध गायकों के सुंदर सुंदर भजनों ने भक्तो का मन मोह लिया। भक्त माता रानी के जयकारों के साथ झूमने नाचने लगे। माता रानी के दरबार में वृंदावन से आए परमपूज्य श्री प्रेमानंद जी महाराज के शिष्य अमन मिश्री के भजनों पर श्रद्धालु तालियों के साथ झूमने लगे। अमन मिश्री ने भजनों का ऐसा शमां बांधा कि भक्त भक्ति में लीन होकर नाचने पर मजबूर हो गए। सब झूमों नाचों गाओ, श्याम आने वाला है ने भक्तों को भावविभोर कर दिया। शाहजहांपुर के झांकी ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई देवी देवताओं स्वरूप झाकियों ने भक्तों का मन मोह लिया। भगवन कृष्ण द्वारा गोपीकाओं के साथ मनमोहक नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा। प्रसिद्ध भजन गायिका ज्योति गोस्वामी के भजन जय जय श्री राम के नारों से बाबर की बाबरी टूट गई पर भक्त झूमने लगे। जागरण में ग्वारियर से आए टी सीरीज गायक मनोज शर्मा और लखनऊ से आए अंशु गोस्वामी के भजनों ने खुटार क्षेत्र की धरा को श्री श्याम बाबा की भक्ति से सरोबार कर दिया। जागरण में आए गायक कलाकारों ने श्री खाटू श्याम बाबा के सुंदर-सुंदर भजन गाकर वहां मौजूद भक्तों का मन मोह लिया तो वही झांकी कलाकारों के द्वारा सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की गई जिन पर वह मौजूद भक्त खाटू श्याम बाबा की भक्ति में झूमने लगे पुष्प वर्षा होने लगी भक्त बाबा के भजनों पर थिरकते रहे। सुबह जागरण समापन पर प्रसाद वितरण किया गया उसके बाद जागरण परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो भक्तों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया उसके बाद शुक्रवार की शाम राजस्थान के खाटू श्याम बाबा के दरबार से लाई गई बाबा की अखंड ज्योति को भक्तो ने कठिना नदी पर विसर्जित किया गया।

कलश यात्रा के साथ विराट रूद्र महायज्ञ 17 नवंबर से होगी शुरू।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

रामगढ़/सोनभद्र। कसारी स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ 17 नवंबर से शुरू होगी। जिसका समापन 25 नवंबर को होगा। इसके अलावा प्रतिदिन भंडारा चलेगा, जिसमें श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम के आयोजक/ संयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि भिखारी बाबा आश्रम परिसर में नौ दिवसीय विराट रूद्र महायज्ञ कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। 17 नवंबर को कलश यात्रा, कलश स्थापना व अग्नि प्रवेश के साथ ही विराट रूद्र महायज्ञ शुरू होगी। यज्ञाचार्य राधेकृष्ण तिवारी, रेवती रमण तिवारी व योगेश तिवारी के जरिए विराट रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा। प्रतिदिन जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन भंडारा भी चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट कसारी रामगढ़ व शिव शक्ति महिला मंडल के जरिए यह आयोजन किया गया है। जिसमें प्रमुख रूप से कार्यक्रम संयोजक शिव शक्ति महिला मंडल सुशीला पाठक, अध्यक्ष किरन मोदनवाल, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की जिला कोषाध्यक्ष चिंता मौर्या, कार्यक्रम अध्यक्ष सालिक राम साहु, कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह, सविता देवी, संगीता देवी, रामा देवी, अनिता केशरी, प्रभा देवी,उर्मिला देवी, रेनु गुप्ता, कृष्णावती देवी, परमेश्वरी देवी, विमला देवी,शशि देवी, कालो देवी, हीरा सिंह, मनोज केशरी, पवन गुप्ता, दीनदयाल केशरी, विनय दास केशरी, अमरनाथ मौर्य,राजेंद्र बाबा,बलिराम दास, शेषनाथ मिश्रा का विशेष योगदान है। उन्होंने कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का आग्रह किया है।

वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत मृतिका के मायके पक्ष के लोगों ने लगाया हत्या का आरोप पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्रांतर्गत आने वाले फत्तापुर गांव की कैलाशों पत्नी स्वं रामपाल सिंह की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। जिसको लेकर मृतका के मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को हत्या की सूचना दी। जब तक स्वजन और ग्रामीण शव के अंतिम संस्कार करने के लिए निकल चुके थे। लेकिन सूचना मिलते पुलिस ने आनंन फानन में भोवापुर गांव के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोककर शव को कब्जे में ले लिया और जांच शुरू कर दी।वही ससुराल पक्ष के लोगों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से वृद्धा बीमार थी।जिसको स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन आराम नहीं मिलने पर चिकित्सकों ने हापुड़ के लिए रेफर कर दिया था।जहां पर 70 वर्षीय कैलाशों की मौत हो गई।इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।वृद्धा के कोई संतान नहीं थी।इसलिए वह अपने देवर के बच्चों के पास आ जाती थी।थाना प्रभारी ने बताया कि वृद्धा की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।इसलिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

आरएसएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तीन दिवसीय वार्षिक खेलों का हुआ समापन

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के हिम्मतपुर रोड पर स्थित शिक्षा के मंदिर के रूप में अग्रणीय संस्था आरएसएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जूनियर सीनियर स्तर पर तीन दिवसीय वार्षिक विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिन बालक एवं बालिका वर्ग में कबड्डी, बैडमिंटन, टांग अप वार,लॉन्ग जंप, हाई जंप इत्यादि खेल शामिल रहे। तो वही दूसरे दिन वॉलीबॉल जैवलिन थ्रो शॉट पुट, तथा प्राइमरी में स्पून रेस, फ्रॉग रेस, आदि खेल कराए गए। खेलों के समापन को लेकर तीसरे दिवसीय अवसर पर बालक बालिका वर्ग में 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर दौड़ एवं रिले दौड़ का आयोजन कराया गया। जिसमें समस्त छात्र-छात्राओं ने सभी खेलों में बढ़-चढ़कर प्रति भाग किया। वही समापन के अवसर पर विद्यालय निदेशक संदीप सिंधू प्रधानाचार्य ग्रीष्मा कपूर ने आयोजित तीन दिवसीय खेलों का समापन करते हुए। सभी प्रतिभागियों को खेल कूद के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी छात्र छात्राओं विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

हापुड़ के दस्तोई में अचानक भड़भड़ाकर गिरा पशुशाला का लेटर मलबे में दबकर 15 पशु घायल पुलिस एवं दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर पशुओं को निकाला बाहर

संस्कार उजाला

हापुड़/हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत दस्तोई में एक पशु साला का अचानक भड़भड़ाकर लेंटर गिरने से 15 पशु मलबे में दबाकर घायल हो गए। वही पशुओं को चारा डाल रहे मालिक ने भाग कर जैसे तैसे अपनी जान बचाई।

लेंटर गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसियों के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे। एसडीएम अंकित वर्मा, सीओ सिटी जितेंद्र शर्मा, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुनीष प्रताप सिंह,सीएफओ, मनु शर्मा, फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जेसीबी मशीन और हाइड्रा क्रेन की मदद से रेस्क्यू कर लेटर के मलबे को हटाकर मलबे में फंसे पशुओं को बाहर निकाला और घायल पशुओं को पशु चिकित्सकों की टीम को बुलाकर उपचार शुरू कराया।

वही इस घटना को लेकर पशु स्वामी आदर्श चौधरी ने बताया कि 16 नवंबर की सुबह वह अपने पशुओं को चारा डालने के लिए गया था।

इसी बीच चारा डालते समय अचानक भड़भड़ाते हुए लेटर नीचे गिर गया। जिसमें उसने भाकर अपनी जान बचाई। लेंटर गिरने की आवाज सुनकर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी जिसमें पुलिस एवं दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर उसके पशुओं की जान बचाई।

एशियन पेंट्स ने नोएडा में अपना पहला 'ब्यूटीफुल होम्स' स्टोर खोला

संस्कार उजाला

नोएडाः अत्याधुनिक तकनीक से लैस मल्टी-कैटेगरी स्टोर ग्राहकों को बेहतरीन होम और डेकोर शॉपिंग अनुभव प्रदान करता है नोएडाः भारत की सबसे बड़ी पेंट और डेकोर कंपनी, एशियन पेंट्स ने नोएडा में अपना प्रीमियम 'ब्यूटीफुल होम्स', एक मल्टी-कैटेगरी डेकोर शोरूम लॉन्च किया है। बरौला में स्थित, नया एशियन पेंट्स ब्यूटीफुल होम्स स्टोर तकनीकी रुझानों के साथ एक अनूठा और इमर्सिव शॉपिंग अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है जो स्टोर पर ग्राहक सेवा और अनुभवों को बेहतर बनाएगा। अत्याधुनिक स्टोर का उद्घाटन आज एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगले ने किया। स्टोर में आवासीय औरवाणिज्यिक स्थानों के लिए कई श्रेणियों में उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। नोएडा में 18000 वर्ग फीट में फैलाब्यूटीफुल होम्स स्टोर तीन मंजिलों पर फैला हुआ है, जो एक वन-स्टॉप-शॉप है जो उपभोक्ताओं को सभी घरेलू श्रेणियों में उत्पादों की विविध रेंज प्रदर्शित करते हुए व्यापक समाधान प्रदान करता है - पेंट और वॉलपेपर, वार्डरोब, बाथ फिटिंग, सॉफ्ट फर्निशिंग, फर्नीचर, टाइलें, लकड़ी की फ्लोरिंग, होम ऑटोमेशन और बहुत र बहुत कुछ। । शोरूम में पेंट और डेकोर दिग्गज द्वारा हाल ही में किए गए अधिग्रहण और साझेदारी को भी प्रदर्शित किया गया है। आगंतुक व्हाइट टीक के शानदार डेकोरेटिव लाइटिंग कलेक्शन और वेदरसील के वढश्उ विंडो और डोर सिस्टम की विस्तृत रेंज देख सकते हैं। 'फिजिटल' (फिज़िकल डिजिटल) अनुभव को अपनाते हुए, स्टोर को ग्राहकों को उनके घर की सजावट की जरूरतों के अनुरूप सही और त्वरित निर्णय लेने में सहायता करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह ग्राहकों को अपने स्थानों की कल्पना करने में मदद करता है, जिससे उन्हें खरीदारी का निर्णय लेने से पहले सही सजावट और डिजाइन चुनने में मदद मिलती है। ब्यूटीफुल होम्स स्टोर व्यापक एंड-टू-एंड डिजाइन समाधान प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ परामर्श भी प्रदान करता है, जिससे उपभोक्ता अपने सपनों के घर को साकार कर सकें। नोएडा सजावट और साज-सज्जा के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बाजार में सजावटी उत्पादों की बढ़ती मांग देखी गई है और लोग अपने घरों के लिए एक ही छत के नीचे अपरंपरागत और नए उत्पाद, डिजाइन, आपूर्ति और विचार चाहते हैं। इस जरूरत को समझते हुए, एशियन पेंट्स ने शहर में अपना पहला ब्यूटीफुल होम्स स्टोर लॉन्च किया, जो शहर के लोगों के लिए आंतरिक और बाहरी सजावट में अपनी गहरी समझ लेकर आया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बैंको/वित्तीय संस्थानों का किया गया निरीक्षण ।

दिनांक 16.11.2024 को बैंकों की सुरक्षा के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की पुलिस द्वारा विभिन्न बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बैंक शाखाओं, एटीएम एवं ग्राहक सेवा केन्द्रों के अंदर-बाहर व आसपास खड़े संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग कर पूछताछ की गई। बैंक प्रबंधक से सीसीटीवी कैमरा, सायरन व सुरक्षागार्ड आदि के बारे में जानकारी ली गयी।

बैंक ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने हेतु निर्देश दिये गये।

मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया को अविरल पवित्र रखना हम सबका दायित्व/अधिशासी अधिकारी मुक्ता सिंह

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/ नगर पालिका गढ़मुक्तेश्वर के द्वारा मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया के तट पर कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले 2024 का समापन होने पर सफाई व्यवस्था शुरू कर दी गई है। जिसमे जेसीबी मशीन की मदद से कूड़े करकट को भरकर ट्रैक्टर ट्रालियों के द्वारा कूड़ा करकट डंपिंग स्थान पर डलवाया जा रहा है। आपको बता दें कि जनपद की तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र में मोक्षदायनी पतित पावनी गंगा मैया के रेतीले मैदान में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला 2024 तंबू नगरी मेला सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिगत सुलभ सुगम व्यवस्थाओं के बीच संपन्न हो चुका है। जिसके चलते कार्तिक पूर्णिमा मेले में इस बार 35 से 40 लाख श्रद्धालुओं के द्वारा आस्था की डुबकी लगाने के उपरान्त श्रद्धालुओं के द्वारा की जाने वाली गंदगी जैसे कूड़ा करकट, कपड़ा, पॉलिथीन आदि जगह-जगह बिखरे पड़े हुए हैं। जिसको लेकर नगर पालिका गढ़मुक्तेश्वर अधिशासी अधिकारी मुक्ता सिंह के द्वारा जेसीबी मशीन से साफ सफाई करने को लेकर अभियान शुरू कर दिया है। वही साफ सफाई व्यवस्था को लेकर अधिशासी अधिकारी मुक्ता सिंह ने सभी सफाई कर्मियों को सख्त दिशा निर्देशित करते हुए कहा है कि मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया में पॉलिथीन कपड़ा इत्यादि गंदगी न बहाएं। क्योंकि मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया हम सब की गंगा मैया है। मोक्षदायनी पतित पावनी गंगा मैया को स्वच्छ अविरल एवं पवित्र रखना हम सब की पहली प्राथमिकता है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दृष्टिगत जिलाधिकारी लखनऊ सूर्य पाल गंगवार पहुँचे तहसील सदर, की जनसुनवाई

संस्कार उजाला

देवेन्द्र कुमार मिश्रा

लखनऊ संपूर्ण समाधान दिवस लखनऊ सदर तहसील में जिला अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के निर्देश सभी विभाग पिछले तहसील दिवस के प्रकरणों के निस्तारण शिकायतकताओं से कॉल करके करे सत्यापित करने के आदेश देते हुए कहा सम्पूर्ण समाधान दिवस में आए हुए प्रकरणों का तत्काल गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाए कोई भी प्रकरण पेंडिंग में न रखा जाए निस्तारणो के सत्यापन के लिए अधिकारी समय से शिकायतकताओं को कॉल करके फीडबैक ले

बतौर सीएम योगी ने ही किया लाईन पार में पहला रोड शो , गूंजे योगी जिंदाबाद के नारे, हाथों में बुलडोजर लेकर पहुंचे लोग

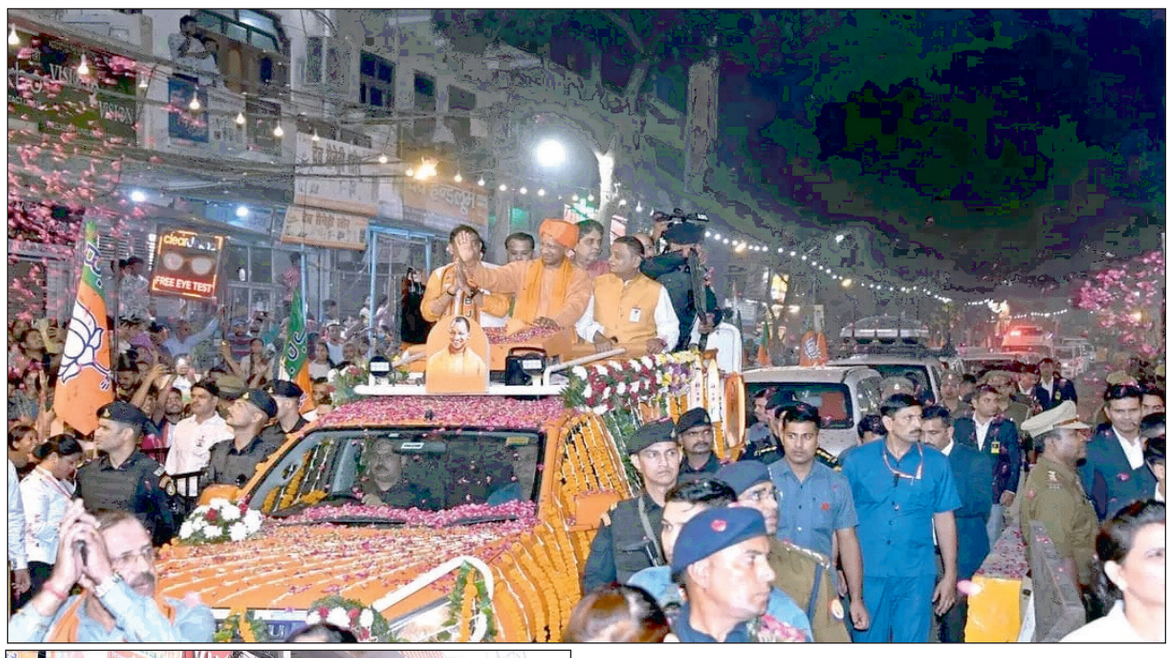

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद विधानसभा के लाइनपार क्षेत्र में रोड शो किया। बतौर सीएम किसी ने भी यहां शो नहीं किया है। सीएम योगी ने पहली बार यहां के रोड शो में आकर लाइन पार क्षेत्र के लोगों में जोश भर दिया है। इस दौरान सीएम योगी का जोरदार स्वागत हुआ और योगी-योगी के जमकर नारे लगे। गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट पर एक जनसभा को शहरी क्षेत्र में पहले ही करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लाइनपार रोड शो के माध्यम से मतदाताओं को साधा। करीब 1200 मीटर लंबे रोड शो में व्यापारियों और संगठन के कार्यकताओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। स्वागत में स्थानीय हर वर्ग, हर समाज, आर डब्लू ए, रामलीला समितियां, एनजीओ, शिक्षण संस्थान, रेहड़ी पटरी संगठन, ऑटो चालक संगठन, महिला संगठन, युवा संगठन, अपने सांस्कृतिक परिवेश में भिन्न भिन्न राज्यों के संगठन ने अपनी पूरी ताकत लगाकर सीएम योगी के रोड शो ऐतिहासिक बनाने का किया है। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हेलिकाप्टर से पुलिस लाइन में पहुंचे। इसके बाद वह काफिले के साथ शहर से होते हुए रोड शो स्थल विजय नगर पहुंचे। इसके बाद मुख्यमंत्री रथ अथवा खुले वाहन में सवार हुए। इनके साथ गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री नरेन्द्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल,राज्यमंत्री बृजेश सिंह, राज्य मंत्री कपिल देव

अग्रवाल,प्रत्याशी संजीव शर्मा भी वाहन में मुख्यमंत्री के साथ रहे। वहीं, शाम 4:40 बजे चाणक्य चौक से रोड शो शुरू हुआ, होते हुए डीएवी चौक प्रताप विहार पर 6:50 बजे पहुंचा। चुनाव संयोजक के नाते रोड शो के संयोजक पूर्व महापौर आशु वर्मा के द्वारा मुख्यमंत्री के संबोधन की तैयारी भी की गई थी, लेकिन ऐन वक्त पर कार्यक्रम में बदलाव के चलते मुख्यमंत्री का संबोधन नहीं हुआ। वह पदाधिकारियों से मिलकर वहां से रवाना हो गए।इस दौरान पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व डिप्टी मेयर पार्षद राजीव शर्मा सुनील यादव, पूर्व सांसद रमेश चंद्र तोमर, बलदेव राज शर्मा,पूर्व विधायक कृष्ण वीर सिरोही, पूर्व अध्यक्ष सरदार एसपी सिंह, अमर दत्त शर्मा, पूर्व महापौर आशा शर्मा, हातम सिंह नागर,महामंत्री पप्पू पहलवान, गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम, राजेश त्यागी, बॉबी त्यागी, प्रदीप चौधरी, चमन चौहान, धीरज शर्मा, उदिता त्यागी,मीना भंडारी, प्रियंका प्रियदर्शनी, रेनू चंदेला, आदि मौजूद रहे। गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, बजते रहे धार्मिक गीत, उमड़ी भीड़ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रोड शो करीब सवा किलोमीटर का था, जो 50 मिनट में संपन्न हो गया। रास्ते में 15 से अधिक जगहों पर डीजे लगे हुए थे, जिनमें धार्मिक भजनों पर समर्थक डांस करते हुए भी नजर आए। इसके साथ ही पार्टी झंडा लहराकर जयश्रीराम के जयकारे और योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारे लगाए रहे थे।मुस्लिम समाज ने किया स्वागत प्रताप विहार में प्रवेश करने पर भाजपा नेता हाजी जमालुद्दीन सिद्दकी, एडवोकेट जावेद सैफी, रिजवान खान सहित काफी संख्या में पहुंचे मुस्लिम वर्ग के लोगों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके अलावा बुलडोजर बाबा के नाम से मशहूर योगी आदित्यनाथ के रोड शो में प्रतीक चिन्ह के रूप में समर्थक प्लास्टिक का बुलडोजर लेकर भी पहुंचे। संत समाज बड़ी संख्या में रोड शो में मुख्यमंत्री योगी के अभिनंदन में पहुंचे। गाजियाबाद लाइन पार के क्षेत्र में पहली बार योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री के रूप में रोड शो में शामिल हुए हैं। मुख्यमंत्री का स्वयं रोड शो में आना लाइन पार क्षेत्र वासियों के लिए बहुत खुशी प्रदान करने वाला है। क्षेत्र वीडियो में विकास की एक नई उम्मीद जगी है। उन्हें लगता है योगी महाराज के चरण लाइन पर क्षेत्र में पड़ने पर निश्चित रूप से इस क्षेत्र में बदलाव होगा और विकास के कार्य तेजी से कराए जाएंगे जिससे जनजीवन का स्तर सुधरेगा। दूसरी ओर विपक्षी दलों एवं उनके प्रत्याशियों में सन्नाटा छा गया है उन्हें लगता है कि चुनाव के दौरान सीएम योगी ने दूसरी बार गाजियाबाद आकर चुनावी माहौल को गरमाने का काम किया है।

ऑनर किलिंग की पूर्व सूचना पर खामोश गाजियाबाद पुलिस।

थाना मुरादनगर क्षेत्र के ग्राम भदौली का मामला।।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) मुरादनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भदौली की एक युवती पर ओनर किलिंग के खतरे की पूर्व सूचना पर भी मुरादनगर थाने की पुलिस खामोश क्यों है ?प्रेमी से शादी करना युवती के जीवन का खतरा बन गया है आपको बताते चलें की ग्राम मिल्क रावली के एक ब्राह्मण युवक को ग्राम भदोही के त्यागी परिवार की लड़की से प्रेम प्रसंग पिछले दो वर्षों से चल रहा था जिसको अंजाम तक पहुंचाते हुए युवक व युवती ने दिनांक 3.9.2024 को गाजियाबाद तहसील में सब रजिस्ट्रार पंचम के यहां अपनी शादी को पंजीकृत करते हुए

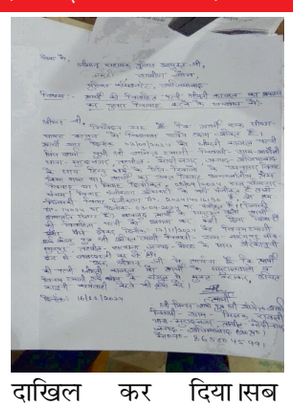

साथ जीने मरने की कसमें खाईं परंतु उनको क्या पता था कि प्यार के दुश्मन उनको चैन से जीने नहीं देंगे। शादी के 2 दिन बाद ही लड़की के घर वालों ने युवती और युवक को बंधक बनाकर पीटाई की और जबरदस्ती शादी को कैंसिल करने के कागजात पर दस्तखत करा सब रजिस्ट्रार पंचम के यहां घोषणा पत्र दाखिल कर दिया।सब रजिस्ट्रार पंचम के यहां भी लड़के ने रो रो कर दुहाई दी की इस लड़की से मेरी शादी हो गई है मैं इसके बिना जी नहीं सकता बावजूद इसके सब रजिस्ट्रार पंचम ने भी इन सब बातों को दर किनार कर युवती के घर वालों के कहने पर एक तरफा कार्यवाही को अंजाम देते हुए घोषणा पत्र को स्वीकार कर लिया, जिसमें मुरादनगर पुलिस ने बालिग लड़की के बयान ना लेकर सिर्फ लड़की के घर वालों के कहने पर चौकी और थाने में ना सिर्फ युवक व युवती से बदसलूकी की गयी बल्कि पुलिस अधिकारियों के समक्ष युवती के घरवालों ने युवक व युवती को जान से मारने की धमकी देकर कहा कि अगर तुमने एक साथ रहने की बात सोची तो दोनों की लाश यहीं पुलिस के सामने बिछा देंगे इन शब्दों पर भी पुलिस ने घर वालों के विरुद्ध कोई एक्शन ना लेकर लड़के और लड़की के खिलाफ शादी कैंसिल करने की कार्रवाई को अंजाम दिया है । ग्राम रावली के प्रिंस शर्मा ने सहायक पुलिस आयुक्त मसूरी ग्रामीण से लगाई गुहार ग्राम रावली के प्रिंस शर्मा ने अपनी पत्नी को बचाने की गुहार लगाई है जिसमें प्रिंस शर्मा ने अपनी ससुरालियों पर यह आरोप लगाया है कि उन लोगों ने थाने में पुलिस के सामने भी जान से मारने की धमकी देकर डराया धमकाया व मारपीट की है जिसकी वजह से वह मुरादनगर थाने जाने से भी कतरा रहा है।

इस इसी वजह से एसीपी ग्रामीण के यहां प्रार्थना पत्र देकर प्रिंस शर्मा ने अपनी पत्नी व अपनी जान की गुहार लगाते हुए दोषियों के ऊपर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

सिल्वरलाइन प्रेस्टीज स्कूल के प्रांगण में मतदाता जागरूकता सभा का आयोजन।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद(आशा चौधरी) सिल्वरलाइन प्रेस्टीज स्कूल के प्रांगण में आई0एस0एफ0आई0 के तत्वाधान में अध्यक्ष, डॉ सुभाष जैन द्वारा शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों हेतु मतदाता जागरूकता को ध्यान में रखते हुए एक सभा का आयोजन किया गया। सभा के विशिष्ट अतिथि श्रीचन्द शर्मा, सदस्य विधान परिषद, उ0प्र0 का स्वागत आई0एस0एफ0आई0, प्रतिनिधि अलोक गर्ग एवं डॉयरेक्टर एडमिनिस्ट्रेशन एवं स्कूल मैनेजर प्रणव जैन एवं द्वारा किया गया। सभा में उपस्थित ,आई0एस0एफ0आई0, सचिव गुलशन भाम्बरी , अलोक गर्ग, जोगेन्द्र सिंह अजय जैन , को डॉ0 गीता जोशी, प्रधानाचार्या, डॉ0 मंगला वैद, स्कूल एडवाइसर

ने तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए श्रीचन्द शर्मा द्वारा शिक्षकों की समाज निर्माण में भूमिका पर चर्चा करते हुए शिक्षकों के सम्मान हेतु किये गये प्रयासों की भी चर्चा की गयी। इसी के साथ-साथ शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। उन्हें उनके आस-पास के क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को मतदाता जागरूकता करने हेतु भी प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन आई0एस0एफ0आई0, सचिव गुलशन भाम्बरी द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि आगामी चुनाव प्रक्रिया 20 नवम्बर 2024 को सम्पन्न होगी आई0 एस0 एफ0 आई0, गाजियाबाद अध्यक्ष, डॉ0 सुभाष जैन एवं सचिव, गुलशन भाम्बरी जो शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता हेतु सदैव तत्पर रहते हैं तथा गाजियाबाद शिक्षा क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।

पूर्व महापौर आशु वर्मा को जन्मदिन की बधाई

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व महापौर आशु वर्मा के जन्मदिन पर सुबह से ही पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों की ओर से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। उनके सरल और प्रभावशाली व्यक्तित्व, कुशल नेतृत्व और समाजसेवा के प्रति अटूट समर्पण ने उन्हें गाजियाबाद की जनता और पार्टी कार्यकताओं के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत बना दिया है। प्रदीप चौधरी और सोनू भाटी ने आशु वर्मा के स्वस्थ, दीघार्यु और समृद्ध जीवन की कामना की।महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने कहा, आशु वर्मा का नेतृत्व और समर्पण हम सभी के

लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। गाजियाबाद उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा की ऐतिहासिक जीत में उनके मार्गदर्शन और अथक प्रयासों का अहम योगदान रहेगा। हम सभी कार्यकर्ता मिलकर इस जीत को और भी ऐतिहासिक बनाएंगे। यह विजय उनके नेतृत्व में हमारे लिए सच्चा सम्मान होगी। बधाई देने वालों में मुख्य रूप से महानगर महामंत्री गोपाल अग्रवाल , उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी वीरेंद्र सारस्वत प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शहर विधानसभा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मुख्य तौर पर प्रताप विहार इलाके के जाट समाज के लोगों ने शुक्रवार को लीलावती स्कूल में एक बड़ी बैठक का आयोजन किया।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद(आशा चौधरी) बैठक में उपस्थित समाज के लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपना मतदान करने के लिए हाथ उठाकर अपना समर्थन किया। बैठक में किसान संगठन और अन्य राजनीतिक दलों से जुड़े जाट नेता भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि वह मोदी और योगी के साथ खड़े हैं। उन्होंने सभी से भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा को वोट देने की अपील की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बागपत के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान अतिथि पधारे। बागपत के सांसद डॉ राजकुमार सांगवान ने कहा कि जाट समाज के लोगों की सभी क्षेत्रों में विशेष

भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि इस बार सुनहरा मौका मिला है। किसी भी दल के झांसे मे न आकर भारतीय जनता पार्टी को ही वोट करें। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि भाजपा प्रत्याशी के जीतने पर शहर विधानसभा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य होंगे। प्रताप विहार में स्कूल के सभागार में आयोजित जाट समाज की बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा ने कहा कि हम जात पात की राजनीति नहीं करते हैं। सभी को साथ लेकर चलने का काम करते हैं। सभी का आशीर्वाद उनके साथ है। जाट समाज के लोगों ने उन्हें जो सम्मान दिया है वह इसके कर्जदार हो गए हैं। इस बार जनता उन्हें मौका देगी तो जाट समाज के साथ सभी वर्ग के लोगों का एहसान चुकता कर देंगे। प्रदेश सरकार के नेतृत्व में विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कार्य होंगे जो ऐतिहासिक होंगे। कार्यक्रम के आयोजक देवेंद्र चौधरी के साथ इस आयोजन में मुख्य रूप से महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, प्रताप विहार जाट समाज के अध्यक्ष सुखपाल खोखर,जगबीर सिंह, जगपाल सिंह, मदन मलिक, वरुण चौधरी, ज्ञानेंद्र चौधरी, प्रमिला चौधरी, रमेश चौधरी, रिशिपाल तेवतिया ,राम रिछपाल चौधरी, विजेंद्र सिंह ,धर्मवीर चौधरी, हरेंद्र चौधरी, केदार सिंह चौधरी, सतपाल डागर, पार्षद देवेन्द्र चौधरी, संतोष राणा कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र चौधरी द्वारा किया गया।

वकीलों की हड़ताल समाप्त

गाजियाबाद। कचहरी में 14 दिन बाद सोमवार से कामकाज शुरू होगा। जिला जज कोर्ट में 29 अक्टूबर को वकीलों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में चल रही हड़ताल समाप्त हो गई है। शनिवार को कलेक्ट्रेट के बाहर हुई महापंचायत में वकीलों ने न्यायिक कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है, लेकिन आंदोलन जारी रहेगा। अधिवक्ता जिला जज को हटाए जाने तक उनकी कोर्ट का बहिष्कार करेंगे और प्रदेश भर में प्रत्येक बुधवार को हड़ताल रखेंगे। मांगें नहीं माने जाने पर 29 नवंबर को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का घेराव करेंगे।शनिवार को वकीलों की महापंचायत में विभिन्न जनपदों

से आए बार एसोसिएशन पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी। बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक शर्मा के मुताबिक जिला जज पर कार्रवाई होने तक अधिवक्ता उनकी कोर्ट में उपस्थित नहीं होंगे। यदि इसमें कोई अड़चन पैदा होती है, सभी की जिम्मेदारी प्रशासनिक जज, मुख्य न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय की समझी जायेगी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्ष व चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत बैंकों/वित्तीय संस्थानों का किया गया निरीक्षण ।

संस्कार उजाला
विशेष संवाददाता
मनोज पाठक
इटावा

बैंकों की सुरक्षा के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद के सभी थानों की पुलिस द्वारा विभिन्न बैंक शाखाओं व वित्तीय संस्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बैंक शाखाओं, एटीएम एवं ग्राहक सेवा केन्द्रों के अंदर-बाहर व आसपास खड़े संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग कर पूछताछ की गई। बैंक प्रबंधक से सीसीटीवी कैमरा, सायरन व सुरक्षागार्ड आदि के बारे में जानकारी ली गयी। बैंक ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने हेतु निर्देश दिये गये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चैकिंग की गयी ।

संस्कार उजाला
विशेष संवाददाता
मनोज पाठक इटावा

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में जनपद की कानून व्यवस्था को प्रभावी एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी/चौकी प्रभारियों द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों को रोककर चेक किया गया ।

जनपदीय कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा के निर्देशन में समस्त थाना

प्रभारी/थानाध्यक्षों/चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत पढ़ने वाले शराब ठेकों को किया गया चेक।

संस्कार उजाला
विशेष संवाददाता
मनोज पाठक
इटावा

जनपदीय कानून व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी व सुदृढ़ बनाए रखने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन में आज दिनांक 16.11.2024 को जनपद के समस्त थाना प्रभारी/थानाध्यक्षों/चौकी प्रभारियों द्वारा थाना क्षेत्र अंतर्गत आबादी क्षेत्र, चौराहों, बाजार पर पैदल गस्त करते हुए शराब ठेकों को चेक किया गया।

एक और बाघ की मौत, संकट में आ जाएगा मध्यप्रदेश का टाइगर स्टेट का दर्जा

-बाघ की मौत ने वन विभाग की लापरवाही उजागर की

भोपाल। मध्यप्रदेश के पेंच टाइगर रिजर्व में एक और बाघ की मौत ने वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग को हिल कर रख दिया है। दक्षिणी वन मंडल में एक बाघ की मृत अवस्था में प्राप्त हुई, जिसकी मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम से चला। रिपोर्ट के अनुसार, बाघ को चोट लगने के कारण शिकार करने में असमर्थ हो गया था, और वह कई दिनों तक इधर-उधर भटकता रहा। बाघ ने जंगल में भोजन की तलाश की, लेकिन अंततः भोजन नहीं मिलने पर अपनी जिंदगी खो दी। यह घटना विशेष रूप से चिंता का विषय बनी है, क्योंकि बाघ का शव एक रिहायशी इलाके के नजदीक मिला था, और आसपास के ग्रामीणों ने बाघ के मूवमेंट की सूचना दी थी। इसके बावजूद, वन विभाग ने समय रहते ध्यान नहीं दिया। विभाग द्वारा जंगल में पेट्रोलिंग और सीसीटीवी निगरानी की जा रही है, फिर भी घायल बाघ का पता नहीं चल पाया। जहां एक ओर मध्यप्रदेश, जिसे देश का टाइगर स्टेट कहा जाता है, में बाघों की मौत का सिलसिला लगातार जारी है। पेंच टाइगर रिजर्व में मई 2024 में एक बाघिन का शव मिला था, बीते कुछ सालों में करंट लगने या अन्य कारणों से बाघों की मौतें सामने आई हैं। 2023 में भी करंट लगाकर एक बाघ का शिकार करने की घटना सामने आई थी।

बहराइच में तेंदुए के हमले में चार वर्षीय बालक की मौत, गांव में कोहराम

बहराइच । बहराइच जिले के बाजपुर गांव में तेंदुए के हमले में एक चार वर्षीय बालक की दुखद मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यह घटना तब हुई जब संदीप नामक युवक अपनी पत्नी और चार साल के बेटे अभिनंदन के साथ गन्ने की फसल काटने के लिए खेतों में गया था। तभी संदीप और उसकी पत्नी खेतों में काम कर रहे थे, जबकि उनका बेटा अभिनंदन खेल रहा था। अचानक, खेत में छिपे तेंदुए ने बच्चे पर हमला कर बच्चे को अपने मुंह में दबोचकर सरयू नहर की ओर भाग गया। इस दौरान परिजन शोर मचाते हुए तेंदुए के पीछे दौड़े, लेकिन तेंदुआ बच्चे को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। परिजनों और गांव वालों शोर मचाने पर तेंदुआ बच्चे को अधमरा करके छोड़ गया। इसके बाद गंभीर रूप से घायल बच्चे को परिजन तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वन क्षेत्राधिकारी आशीष गौड़ ने घटना की जानकारी देकर कहा कि पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है।

शिकायतों के बाद एक्शन में चुनाव आयोग, नड्डा और खड़गे से मांगा जवाब, दी यह सलाह

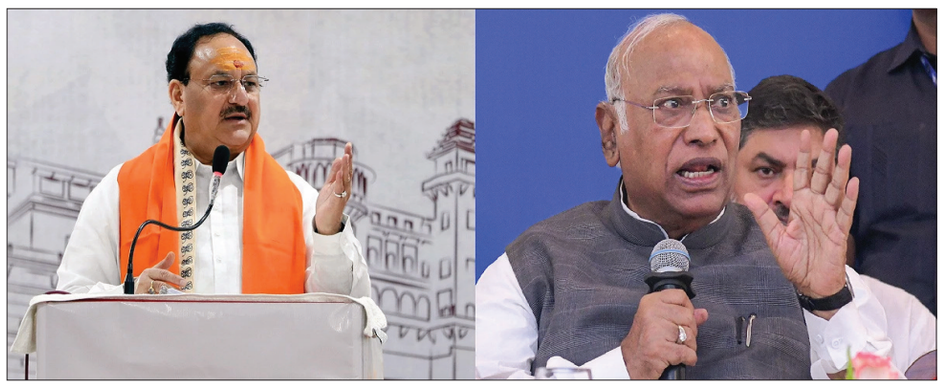

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय चुनाव आयोग ने शनिवार को बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग-अलग पत्र भेजकर एक-दूसरे की शिकायत पर टिप्पणी करने को कहा है। आयोग ने सोमवार दोपहर एक बजे तक दोनों पक्षों से औपचारिक प्रतिक्रिया मांगते हुए उनके बीच शिकायतों का आदान-प्रदान किया। ईसीआई ने पार्टी नेताओं को लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई, 2024 को दी गई एक पूर्व सलाह की याद दिलाई, जिसमें उन्हें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नजर रखने के लिए कहा गया था ताकि सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन न हो और चुनाव के दौरान एमसीसी का अक्षरशः पालन किया जा सके।

यह महाराष्ट्र और झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग से एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत करने के बाद आया है। कांग्रेस ने भारत के चुनाव आयोग से महायुति अभियान को बढ़ावा देने के लिए मराठी भाषा के टेलीविजन धारावाहिकों में रणनीतिक रूप से विज्ञापन दिए जाने की शिकायत की है। एक मराठी टेलीविजन चैनल कल से विज्ञापन चला रहा है जिसमें धारावाहिक के एक विशेष दृश्य के बाद शिव सेना के अभियान नारे का एक होर्डिंग दिखाया गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने विज्ञापन लगाने को लेकर राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की.

सावंत ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया है। कांग्रेस नेता के अनुसार विज्ञापन कल से प्रसारित होना शुरू हुआ और आज तक चल रहा है और उन्हें एक अन्य मराठी मनोरंजन चैनल के धारावाहिकों पर ऐसे ही विज्ञापन चलने की शिकायत मिली है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन अपने समुदाय के सदस्यों से धर्म के आधार पर इंडिया ब्लॉक को वोट देने की अपील करके महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, और चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारी मौलाना सज्जाद नोमानी ने कहा कि संगठन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 269 सीटों पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और कुछ सीटों पर अन्य गैर-भाजपा दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नोमानी ने मुसलमानों से एमवीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य के भविष्य पर बल्कि पूरे देश के भविष्य पर असर डालेंगे। भाटिया ने दावा किया कि इससे पहले जमीयत उलेमा-ए-हिंद की लोहरदगा इकाई ने मुसलमानों से झारखंड में कांग्रेस-जेएमएम-आरजेडी-सीपीआई (एमएल) लिबरेशन गठबंधन के लिए एकजुट होकर वोट करने की अपील की थी।

एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ने दिया मराठा आरक्षण को अपना समर्थन

मुंबई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन यानि एआईएमआईएम के नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने मराठा आरक्षण को अपना समर्थन दिया। उन्होंने महाराष्ट्र में तेलंगाना की तर्ज पर मुस्लिम आरक्षण लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा,卐महाराष्ट्र में मराठा नेताओं को मैं पूरी तरह से समर्थन दूंगा। वे मराठा आरक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जब भी उन्हें मेरी जरूरत हो, मैं उनका साथ दूंगा। लेकिन एक बात कहूंगा, कि हमारे तेलंगाना में मुसलमानों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। महाराष्ट्र में क्यों नहीं है? ऐसा क्यों है? इसका कारण यह है कि हमारा इतिहास मजबूत नहीं है। लोग हमेशा इल्जाम लगाते हैं। ओवैसी ने कहा, पहले राज शेखर रेड्डी मुख्यमंत्री थे, फिर चंद्रशेखर राव आए और उनकी टीम में हो गए। अब कांग्रेस के रेवंत रेड्डी आए और फिर, अकबर और असद भी उनके साथ आ गए। माफ करना मेरे भाई, मुख्यमंत्री के पास हम नहीं रहते, वे हमारे पास रहते हैं। जो भी मुख्यमंत्री होता है, उसे हमारी जरूरत होती है। उन्होंने कहा, 'कोई राम भक्त है, तब मैं उस तरह मोहम्मद और रसूल अल्लाह का चाहने वाला गुलाम हूं। मैं रसूल अल्लाह का आशिक हूं और आज मैं उनके आशिकों के बीच खड़ा हूं। रसूल के इश्क का वास्ता देते हुए, मैं यही अपील करता हूं कि वक्त बर्बाद करने का नहीं है, यह वक्त एक होने, संगठित होने और मुक्त होने का है।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा: रेवंत रेड्डी

चंद्रपुर (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। । तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सत्ता के लिए उद्धव ठाकरे जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। चंद्रपुर जिले में महा विकास आघाडी (एमवीए) के उम्मीदवार के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि अगर महाराष्ट्र के लोग गर्व के साथ जीना चाहते हैं तो शिंदे और अजित पवार को (राजनीतिक रूप से) दफन कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे की पीठ में छुरा घोंपा और गुजरात का गुलाम बनना चुना।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा और गुरु शरद पवार की पीठ में छुरा घोंपा। मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि अगर वे गर्व से सिर ऊंचा करके जीना चाहते हैं तो उन्हें शिंदे और अजित पवार को दफना देना चाहिए। रेड्डी ने दावा किया कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत भारत के छह सबसे बड़े शहरों ने भाजपा को नकार दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात से मुंबई को लूटने के लिए दो लोग आए, जिनके नाम हैं प्रधानी और अडाणी है।

उन्होंने कहा, डबल इंजन सरकार का मतलब है कि एक (इंजन) प्रधानी है और दूसरा अडाणी है। अजित पवार ने कबूल किया था कि अडाणी एमवीए सरकार को गिराने की साजिश में शामिल थे। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार में युवाओं को 50,000 नौकरियां दी हैं और यह उपलब्धि गुजरात सरकार भी हासिल नहीं कर सकती।

मुडा मामले में सीएम सिद्धारमैया और उनके परिवार की प्रत्यक्ष भूमिका नहीं

-लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में प्राधिकरण के अधिकारियों को ठहराया जिम्मेदार

बैंगलुरु (एजेंसी)। मैसूरु विकास प्राधिकरण (मुडा) के भूखंड आवंटन मामले में लोकायुक्त पुलिस ने जांच रिपोर्ट में सीएम एन. सिद्धारमैया और उनके परिवार की किसी भी प्रत्यक्ष भूमिका से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भूखंड आवंटन में अनियमितताएं और त्रुटियां मुडा के अधिकारियों की ओर से हुई हैं। जांच में सीएम द्वारा पद और अधिकारों के दुरुपयोग के सबूत नहीं मिले हैं। उनके परिवार के सदस्य, विशेषकर उनकी पत्नी को भूखंड आवंटन में कोई अनुचित लाभ देने की पुष्टि नहीं हुई है। जांच में भूखंड आवंटन में त्रुटियों के लिए प्राधिकरण के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। जांच में पाया कि अधिग्रहित भूमि को कृषि भूमि में परिवर्तित करने और भूखंड आवंटन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को 14 भूखंडों का आवंटन प्रक्रिया में हुई त्रुटियों के कारण हुआ, जिसे मुडा अधिकारियों की प्रशासनिक लापरवाही बताया गया है। लोकायुक्त पुलिस ने लोकायुक्त पुलिस महानिदेशक को स्टेटस रिपोर्ट सौंप दी है। मामले की जांच के दो चरण पूरे हो चुके हैं। जनप्रतिनिधि विशेष अदालत ने इस मामले में 25 दिसंबर तक जांच पूरी कर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मुडा के भूखंड आवंटन में कथित अनियमितताओं को लेकर विपक्षी दलों ने सीएम सिद्धरामैया पर सवाल उठाए थे। यह मामला तब चर्चा में आया जब आरोप लगे कि सीएम के परिवार को भूखंड आवंटन में विशेष लाभ दिया गया है। सीएम सिद्धारमैया के समर्थकों ने जांच रिपोर्ट का स्वागत करते हुए इसे विपक्षी दलों द्वारा रचा गया राजनीतिक षड्यंत्र बताया है। विपक्ष ने रिपोर्ट पर सवाल उठाते हुए जांच को और विस्तृत करने की मांग की है। यह रिपोर्ट सीएम के लिए राहत की खबर मानी जा रही है, लेकिन 25 दिसंबर को अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की तस्वीर पूरी तरह साफ हो सकेगी।

मनसे की सरकार आने पर महाराष्ट्र में मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का समाधान होगा : राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने राज्य के नागरिकों से अपील की कि वे महाराष्ट्र को वैभवशाली बनाने के लिए उनकी पार्टी को वोट दें। ठाकरे ने ठाणे और कल्याण में आयोजित कई रैलियों में राज्य में व्याप्त राजनीतिक अस्थिरता की कड़ी आलोचना कर इस बदलने के लिए वोट करने को कहा। राज ठाकरे ने कहा, राजनीतिक और व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर हमें राज्य के कल्याण पर ध्यान देना चाहिए। असल में, मनसे ही राज्य के असल विकास का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। इसके साथ ही उन्होंने मस्जिदों में लाउडस्पीकर की समस्या का त्वरित समाधान करने की बात कही। ठाकरे ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तब वह 48 घंटों के भीतर मुद्दे का हल निकाल लेगी। उन्होंने जोर दिया कि धार्मिक प्रथाओं से दूसरों को परेशानी नहीं होनी चाहिए और धर्म को घरों तक ही सीमित रहना चाहिए। ठाकरे ने कहा, सार्वजनिक सड़कों पर प्रार्थना के लिए जगह नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली से लाहौर तक फैली जहरीली हवा, एक्युआई 450 के पार

-मौसम विभाग की अपील, मॉस्क लगाकर बाहर निकले, बुजुर्ग-बच्चे घर में ही रहें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से पर जहरीली हवा फैलने से संकट मंडरा रहा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने सैटेलाइट तस्वीरों में दिल्ली से लेकर लाहौर तक के इलाके को गैस चैंबर जैसी स्थिति में दिखाया है। स्थिर हवाओं और कम तापमान के कारण प्रदूषण का स्तर बढ़ता ही जा रहा है।

दिल्ली की बिगड़ती हवा से एक्युआई 450 के पार हो गया है। दिल्ली और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। सुबह 7 बजे दिल्ली का औसत एक्युआई 406 रहा। आनंद विहार और अशोक विहार में 438 दर्ज किया गया।प्रगति मैदान और आईटीओ जैसे इलाकों में एक्युआई 357 रहा, जिसे खराब श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली-एनसीआर में स्मॉग की मोटी परत के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आंखों और गले में जलन की समस्या उत्पन्न हो रही है। अस्पतालों में सांस और हृदय संबंधी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं।

भारतीय मौसम विभाग ने 21 नवंबर तक पंजाब, दिल्ली, यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तापमान में भारी गिरावट का अनुमान लगाया है। ठंड के साथ हवा की गति धीमी होने के कारण प्रदूषण का स्तर और खराब हो सकता है। मौसम प्रदूषण ने इससे बचने के उपाय बताए हैं। जिसमें कहा गया है कि घर से बाहर निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। बच्चे और बुजुर्ग घर के अंदर ही रहें। इनडोर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें। मॉर्निंग वॉक या व्यायाम बाहर करने से बचें। आंखों की जलन से बचने के लिए चश्मा पहनें। यह जहरीली हवा केवल आज की समस्या नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। सामूहिक प्रयासों से ही इस संकट को दूर किया जा सकता है।

दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने जानबूझकर डीजल बसें भेज रहे भाजपा शासित राज्य : गोपाल राय

नई दिल्ली (एजेंसी)। बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार ने ग्रेप-3 (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-3) के तहत बीएस-6 से नीचे के डीजल इंजन वाली बसों की दिल्ली में प्रवेश पर रोक लगा दी है। हालांकि, नियम के बावजूद बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली में प्रवेश कर रही हैं। इन बसों का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कश्मीरी गेट बस अड्डे पर औचक निरीक्षण किया।

मंत्री राय ने निरीक्षण में पाया कि दो बीएस-3 और बीएस-4 डीजल इंजन वाली बसें दिल्ली पहुंची हैं, जो दूसरे राज्यों से आई थीं। इसमें से एक हरियाणा और दूसरी उत्तराखंड से आई थी। दोनों बसों का 20-20 हजार रुपये का चालान किया गया। इसके अलावा, वे बसें जिनके पास प्रदूषण प्रमाणपत्र नहीं थे, उनका भी चालान उसी समय किया गया।

मंत्री राय ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि किसी भी हालत में प्रतिबंधित बसों को दिल्ली में प्रवेश नहीं मिलना चाहिए और सभी बसों की पूरी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि 30 प्रतिशत प्रदूषण दिल्ली के अंदर का है, जबकि 70 प्रतिशत प्रदूषण पड़ोसी राज्यों से आता है।

मंत्री ने बीजेपी शासित राज्यों खासकर उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और हरियाणा पर आरोप लगाकर कहा कि ये राज्य जानबूझकर डीजल बसें दिल्ली भेज रहे हैं, जो कि प्रतिबंधित हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने इन राज्यों को पहले ही पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया था कि सर्दियों में दिल्ली में प्रदूषण बढ़ने से बचने के लिए डीजल बसों को दिल्ली न भेजें, लेकिन इन राज्यों ने इस अनुरोध को नजरअंदाज किया।

श्रद्धा हत्याकांड के आरोपी अफताब की अदालत में हत्या करवाना चाहता था लॉरेंस

-बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड शुभम ने खोले राज, एक महीने तक की थी रेकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड के आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या का भी प्लान बनाया है। दिल्ली के साकेत कोर्ट में उसकी हत्या करने की योजना थी। इसके लिए एक महीने तक रेकी भी की थी। सूत्रों ने बताया कि मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मास्टरमाइंड और वॉन्टेड आरोपी शुभम लोनकर ने श्रद्धा वॉकर हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी आफताब पूनावाला की हत्या की योजना भी बनाई थी।

सूत्रों के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने 2022 में दिल्ली के साकेत कोर्ट में आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी। श्रद्धा वाकर हत्याकांड का आरोपी आफताब फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है और उसे मिल रही धमकियों के बाद वह निशाना बन गया है। लॉरेंस के गुर्गों ने आफताब की हत्या करने के लिए एक महीने तक रेकी की थी, लेकिन दिल्ली पुलिस की कड़े सुरक्षा इंतजाम के चलते यह योजना कामयाब नहीं हो सकी।

सूत्रों ने बताया कि शुभम लोनकर को आफताब को खत्म करने के लिए मुंबई से दिल्ली बुलाया गया था और उसने एक महीने तक रेकी की थी। शुभम लोनकर साल 2022 में आफताब की गिरफ्तारी के बाद से ही कोर्ट में उसकी पेशी के दौरान आसपास दो शूटरों के साथ मौका तलाश रहा था। इस बीच, तिहाड़ जेल प्रशासन ने मीडिया रिपोर्टों पर तत्काल संज्ञान लिया और पूनावाला के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है।

बाबा सिद्दीकी हत्या के सिलसिले में गिरफ्तार शिव कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि आफताब पूनावाला की हत्या करने की मंशा जताई है। इसके अलावा, सूत्रों ने पुष्टि की है कि आफताब अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग के निशाने पर है, जो जेल के अंदर ही उसकी हत्या की साजिश रच रहा है। जेल अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं ताकि संभावित खतरे की जांच करते समय आफताब की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा सके। 18 मई 2022 को दिल्ली के महरौली इलाके में आफताब ने कथित तौर पर श्रद्धा वाकर की हत्या कर शव के कई टुकड़े कर दिए थे। उसने शव के टुकड़े छतरपुर पहाड़ी इलाके के जंगल में फेंक दिए थे। नवंबर 2022 में उसे गिरफ्तार किया गया था।

इस बीच 23 जुलाई को साकेत जिला कोर्ट ने श्रद्धा वाकर की हत्या के मामले और आरोपी आफताब पूनावाला की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने अपने वकील को अपना बचाव तैयार करने के लिए उपयुक्त समय देने के लिए हर महीने केवल दो बार सुनवाई करने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि आरोपी जानबूझकर मुकदमे में देरी करने की कोशिश कर रहा है। यह भी कहा गया कि जून 2023 से अभियोजन पक्ष के 212 गवाहों में से केवल 134 की ही जांच की गई है।

इसलिए मुकदमे को तेजी से पूरा करने के लिए तारीखों की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के संसदीय चुनाव में एनपीपी भारी जीत की ओर, केवल एक सीट पर परिणाम घोषित

कोलंबो एजेंसी। श्रीलंका के संसदीय चुनाव में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ पार्टी नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) भारी जीत की ओर अग्रसर है।मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है। स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे तक एनपीपी को 70 प्रतिशत वोट मिले हैं। मुख्य विपक्षी दल, समागी जन बालवेगया को 11 प्रतिशत और पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे द्वारा समर्थित नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट को पांच प्रतिशत वोट मिले हैं। अब तक केवल एक सीट पर परिणाम घोषित हुआ है। एनपीपी ने गाले में 70 प्रतिशत से अधिक वोट के साथ जीत हासिल की। विश्लेषकों का कहना है कि एनपीपी ने सितंबर के राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में अपना वोट शेयर बढ़ाया है। रुझानों के अनुसार एनपीपी 225 सदस्यीय संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करते हुए 150 सीटों के आंकड़े को पार कर सकती है। मतदान निगरानी समूहों ने कहा कि गत सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव की तुलना में संसदीय चुनाव में कम मतदान हुआ है। राष्ट्रपति चुनाव में 79 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव आयोग ने कहा कि देशभर में शांतिपूर्ण मतदान हुआ और करीब 65 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है।

अमेरिका में आ रहा तूफान सारा, बाढ़, बारिश और भूस्खलन को लेकर अलर्ट जारी

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका में कुछ दिन पहले चक्रवाती तूफान हेलेन ने फ्लोरिडा जैसे बड़े शहरों में जमकर तबाही मचाई थी। वहीं, अब उष्णकटिबंधीय तूफान सारा मध्य अमेरिका में पहुँच रहा है। इस तूफान के कारण विनाशकारी बाढ़, बारिश और भूस्खलन की संभावना जताई गई है। यह तूफान उत्तरी होंडुरास के तट से टकराएगा। सारा में अधिकतम 40 मील प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के पहले के पूर्वानुमानों में मैक्सिको की पूर्वी खाड़ी के निवासियों को तूफान के अमेरिका तक पहुंचने की संभावना पर नजर रखने के लिए कहा गया था, लेकिन अब केंद्र का मानना है कि तूफान मध्य अमेरिका और मैक्सिको के युकाटन प्रायद्वीप तक पहुंचने में काफी धीमा हो जाएगा। सारा 2024 अटलांटिक तूफान के मौसम का 18वां नामित तूफान है। नवंबर में उष्णकटिबंधीय गतिविधि कम हो जानी चाहिए, लेकिन जलवायु परिवर्तन के कारण असाधारण रूप से गर्म पानी के कारण सारा अब इस महीने का तीसरा नामित तूफान है। होंडुरास और निकारागुआ के कुछ हिस्सों के लिए उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। दोनों देशों में तूफान की बारिश गुरुवार को शुरू हुई और शाम होते ही तेज हवाएं आएंगी और शुक्रवार को तेज हो जाएंगी। राष्ट्रीय तूफान केंद्र के अनुसार, यह तूफान हवा की तीव्रता काफी तेज रहेगी औ विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन के साथ भारी वर्षा पैदा कर सकता है।उत्तरी होंडुरास के कुछ हिस्सों में 30 इंच तक बारिश हो सकती है। पूर्वी मेक्सिको से लेकर निकारागुआ तक मध्य अमेरिका के अन्य हिस्सों में सारा से 15 इंच तक बारिश हो सकती है। अधिकतर, कैरेबियन और मध्य अमेरिका के कुछ हिस्सों को नवंबर के तूफानों से भारी नुकसान उठाना पड़ा है।

विशेषज्ञों का दावा- भारत और चीन भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था को देंगे आकार

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर की विदेश मंत्री सिम एन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन की क्षेत्रीय वृद्धि और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र को दोनों देशों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने चाहिए। विदेश मंत्री ने वैश्विक मंच पर आर्थिक महाशक्तियों और अहम देशों के रूप में चीन और भारत के महत्व को रेखांकित किया। सिम एन ने यह टिप्पणी 'चीन और भारत: वैश्विक अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले दो बड़े देश कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में की। इस कार्यशाला का आयोजन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में ईस्ट एशियन इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ साउथ एशियन स्टडीज ने किया था। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दोनों देशों के बारे में अपने विचार और राय साझा करते हुए बताया कि क्रय शक्ति समता के आधार पर दुनिया की पहली और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं क्रमश- चीन और भारत का वैश्विक स्तर पर बहुत अधिक प्रभाव है। विश्व की 35 फीसदी आबादी दोनों देशों में रहती है तथा अनुमान है कि 2024 में वैश्विक आर्थिक विकास में इनका योगदान 50 प्रतिशत होगा। ईएआई के निदेशक अल्फ्रेड शिपके ने कहा कि चीन और भारत वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़े हैं।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बम विस्फोट में 5 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बृहस्पतिवार को हुए बम विस्फोट में कम से कम पांच लोग मारे गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान जिले के टप्पी दावर इलाके में हुआ, जिसमें कई अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों और शवों को जिला अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बल और पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंच गए और आतंकवादियों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया। मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने विस्फोट की निंदा की।

इजरायल का हिजबुल्लाह पर सबसे भयंकर हमला, एक ही झटके में 200 लड़ाके ढेर

यरुशलम, एजेंसी। इजरायली रक्षा बलों ने गुरुवार को कहा कि हफ्ते भर से जारी हवाई हमलों में 200 हिजबुल्लाह लड़ाके मारे गए और 140 राकेट लॉन्चर नष्ट कर दिए गए। ये लॉन्चर सैनिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे थे। मरने वालों में बटालियन आपरेशन प्रमुख और हिजबुल्लाह के राडवान फोर्स में एंटी टैंक हथियारों के बटालियन प्रमुख भी शामिल थे।

हथियार भंडारण और उत्पादन केंद्र नष्ट : हमलों से हिजबुल्लाह की क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। लेबनानी मीडिया ने बेरूत के दहियाह में नए हवाई हमले की सूचना दी। यह लेबनान की राजधानी के दक्षिणी क्षेत्र में शियाओं का गढ़ है। इसमें कहा गया है कि पास स्थित समूह के अधिकांश हथियार भंडारण और उत्पादन केंद्रों को नष्ट कर दिया गया।

बीते 24 घंटे में 78 की मौत : इस बीच, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने घोषणा की है कि पिछले 24 घंटों में लेबनान के विभिन्न क्षेत्रों में इजरायली हवाई हमलों में 78 लोगों की मौत हो गई, जबकि 122 अन्य घायल हो गए।

हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी : रॉयटर्स के अनुसार, इजरायल ने मध्य सीरिया में होम्स प्रांत के दक्षिणी इलाके में कुसैर को निशाना बनाया है। सेना ने सीरिया और लेबनान के बीच उन मार्गों पर हमला किया, जिनका इस्तेमाल सीरिया से

हिजबुल्लाह को हथियारों की तस्करी के लिए किया जाता है।

सैन्य स्थलों को निशाना बनाया : इजरायली हवाई हमले ने कुसैर में सीरियाई-लेबनानी सीमा पर पुलों को निशाना बनाया, जिससे महत्वपूर्ण क्षति पहुंची है। वहीं, गुरुवार को सीरिया की राजधानी दमिश्क में कई आवासीय इमारतों पर इजरायली हमलों में 15 लोग मारे गए और 16 घायल हो गए। इजरायल ने कहा कि उन्होंने सैन्य स्थलों को निशाना बनाया है। लेबनान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संकेत दिया है कि हिजबुल्लाह किसी भी युद्धविराम में अपने लड़ाकों को लेबनान-इजरायल सीमा से हटाने को तैयार है। हालांकि, भविष्य में लेबनान में ईरान समर्थित समूह के खिलाफ कार्रवाई की स्वतंत्रता की इजरायल की मांग को खारिज कर दिया।

जल्द खत्म होगी लेबनान में जंग : एक इजरायली मंत्री ने संकेत दिया कि युद्धविराम करीब है। हालांकि उन्होंने कहा कि एक महत्वपूर्ण बिन्दु यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी समझौते का उल्लंघन होने पर इजरायल को लेबनान के अंदर कार्रवाई की स्वतंत्रता बरकरार रहे। 7 अक्टूबर को गाजा सीमा के पास इजरायली समुदायों पर हमास के हमलों में कम से कम 1200 लोग मारे गए और 252 इजरायली और विदेशी बंधक बनाए गए। शेष 97 बंधकों में से 30 से ज़्यादा को मृत घोषित कर दिया गया है।

हिजबुल्लाह ने लिया इजरायल से हमले का बदला, तेल अवीव के पास खुफिया अड्डे पर दागीं मिसाइलें : यरुशलम एजेंसी। इजरायल और लेबनान के बीच युद्द खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि अब उसने तेल अवीव में तेल हैम सैन्य अड्डे को निशाना बनाया, जो लेबनान सीमा से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। अल जजीरा की रिपोर्ट में ये जानकारी सामने आई है। हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने बेस को निशाना बनाने के लिए कई मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इसको लेकर हिजबुल्लाह का कहना है कि मिसाइलें इजरायली सेना के सैन्य खुफिया प्रभाग की है। साथ ही इजरायली सेना अभी इसको लेकर कोई टिप्पणी नहीं की है। 30 से अधिक हमले आज हुए 30 से अधिक हमलों में से कुछ में, हिजबुल्लाह ने कहा कि उसने लेबनान के साथ सीमा के पास किर्यत शमोना बस्ती और अन्य समुदायों की ओर रॉकेट दागे। इससे पहले, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि एक इजरायली हवाई हमले ने बालबेक-हर्मेल गवर्नरेट में बालबेक शहर के आसपास के नागरिक सुरक्षा केंद्र को निशाना बनाया। इसमें कहा गया है कि हमला तब हुआ जब 20 सदस्य अंदर थे। अल जज़ीरा के अनुसार, बाल्बेक-हर्मेल गवर्नर ने एक्स पर हमले को लेकर पोस्ट भी किया। पोस्ट में कहा गया है कि साइट से 12 शव बरामद किए गए हैं, लेकिन मलबे को हटाने की प्रक्रिया जारी है।

नए दस्तावेज़ों से खुलासा: खालिस्तानी फंडिंग पर चल रही टूडो सरकार, कनाडा की जनता से छुपाई जा रही सच्चाई

ओटावा, एजेंसी। हाल ही में सामने आए दस्तावेजों ने कनाडा की राजनीतिक स्थिरता और खालिस्तानी तत्वों द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता के बीच गहरे और चिंताजनक संबंधों का खुलासा किया है। पहली बार ठोस साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार ने भारत के अनुरोधों को अनदेखा क्यों किया है। भारत लंबे समय से नामित खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर और उसके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहा था, परंतु कनाडा में इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यह महज राजनीतिक अनदेखी नहीं है, बल्कि वित्तीय और राजनीतिक मजबूरी की वजह से लिया गया एक सोच-समझा फैसला है। दस्तावेजों से यह सामने आया है कि निज्जर और उसके सहयोगियों ने न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जगमीत सिंह ढलिवाल को बड़े पैमाने पर धनराशि पहुंचाई है। ढलिवाल की एनडीपी, ट्रूडो की सरकार की बहुमत को सुनिश्चित करने वाली पार्टी है, जो कि लिबरल पार्टी के लिए सत्ता में बने रहने के लिए आवश्यक है। इस स्थिति ने कनाडा की सत्ताधारी गठबंधन को एक अस्थिर स्थिति में डाल दिया है, जिसमें उसकी राजनीतिक स्थिरता खालिस्तानी हितों पर निर्भर होती जा रही है।इस खतरनाक गठजोड़ ने ट्रूडो के भारत विरोधी हालिया राजनयिक रुख पर भी नई रोशनी डाली है। जब ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता का आरोप लगाया था, तो यह महज शब्दों का खेल नहीं था, बल्कि वे एक ऐसे नेटवर्क को बचाने का प्रयास कर रहे थे जिसने उनकी सरकार को वित्तीय सहयोग दिया है। वहीं, कनाडा में हिंदू समुदाय, जो अपने को अलग-थलग महसूस करने लगा है, आशंकित है कि कहीं उनकी सुरक्षा राजनीति के नाम पर बलिदान न कर दी जाए।कनाडा में खालिस्तानी तत्वों का राजनीतिक में प्रवेश कोई नई चिंता नहीं है, लेकिन इन दस्तावेजों से पता चलता है कि अब यह मुद्दा कितना गहराई से जड़ पकड़ चुका है। खालिस्तानी समर्थकों ने लंबे समय से कनाडा में शरण पाई है।

सीओपी29 समिट में दिल्ली प्रदूषण का मुद्दा रहा हावी, भारत को मीथेन- ब्लैक कार्बन पर लगाम लगाने की मिली सलाह

बाकू, एजेंसी। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बदतर होने के बाद यहां सीओपी29 जलवायु सम्मेलन में विशेषज्ञों ने भारत से मीथेन और ब्लैक कार्बन जैसे अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों को कम करने का आग्रह किया, जो वायु गुणवत्ता में गिरावट और ग्लोबल वार्मिंग दोनों के लिए प्रमुख कारक होते हैं। अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक ग्रीनहाउस गैसों और वायु प्रदूषकों का एक समूह होता है जो जलवायु को निकट अवधि में गर्म करता है और वायु की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है। एसएलसीपी में ब्लैक कार्बन, मीथेन, ग्राउंड-लेवल ओजोन और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन शामिल हैं। नई दिल्ली की वायु गुणवत्ता इस सीजन में पहली बार गंभीर स्तर पर पहुंच गई, बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक 418 तक पहुंच गया। 'इंस्टीट्यूट फॉर गवर्नेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट में भारत की कार्यक्रम निदेशक जेरीन ओशो और ढ्लस्ष्ठ के अध्यक्ष ड्यूरवुड जेल्के ने बताया कि स्ष्ट्क्कमें कटौती की रणनीतियां प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से निपटने में कैसे मदद कर सकती हैं। ड्यूरवुड जेल्के ने बताया कि वर्तमान वार्मिंग के लिए आधा जिम्मेदार स्ष्ट्क्कहै। जेलके ने बताया, अगर हम एसएलसीपी पर ध्यान देते हैं, तो हम तेजी से शीतलन प्रभाव प्राप्त कर सकते हैं और दीर्घकालिक कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए महत्वपूर्ण समय हासिल कर सकते हैं।

भारतवंशी तुलसी गबार्ड की भगवद् गीता पर है अगाध श्रद्धा, हिंदू धर्म के लिए कई बार उठा चुकी हैं आवाज

वाशिंगटन एजेंसी। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पहली अभारतीय हिंदू नेता तुलसी गबार्ड को अमेरिका की नेशनल इंटेलीजेंस एजेंसी का निदेशक नियुक्त करने को परंपरागत अमेरिकी राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। हिंदू धर्म की परंपराओं और रीति रिवाज में गहरी आस्था रखने वाली गबार्ड ना सिर्फ भारत और अमेरिका के मौजूदा रणनीतिक रिश्तों को और ज्यादा प्रगाढ़ बनाने की प्रबल समर्थक रही हैं बल्कि समय-समय पर वह हिंदू हितों की बात भी खुल कर रखती रही हैं। उनकी नेतृत्व में भारत व अमेरिका के बीच आतंकवाद के खिलाफ सहयोग बढ़ने की संभावना है। वैसे इस क्षेत्र में दोनों देशों के बीच लगातार सहयोग बढ़ रहा है। तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया अमेरिकन सामोआ (दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थित अमेरिका के अधिकार द्वीप) में जन्मी तुलसी गबार्ड की मां कैरोल गबार्ड का झुकाव हिंदू धर्म की तरफ था। उन्होंने अपने बच्चों के हिंदू नाम रखे हैं। किशोरवस्था में आते-आते तुलसी ने पूरी तरह से हिंदू धर्म को अंगीकार कर लिया। उन्होंने दो दशक तक आर्मी नेशनल गार्ड को अपनी सेवाएं दी हैं। 21 वर्ष की आयु में गबार्ड ने राजनीति में प्रवेश किया था। वह पहली बार प्रतिनिधि सभा की हिंदू सदस्य बनी थीं। इसके बाद वह जब कांग्रेस में चयनित हुई तो गीता पर हाथ रख कर शपथ ली थी। एक साक्षात्कार में उन्होंने गीता को अपनी जीवन-रेखा बताया था। राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर

समर्थक के तौर पर सामने आईं वर्ष 2020 में राष्ट्रपति पद के लिए डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से दावेदारी भी पेश की। लेकिन जब यह स्पष्ट हो गया कि डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से कमला हैरिस को प्रतिनिधि बनाया जाएगा तो वह पीछे हट गईं। बाद में वह राष्ट्रपति ट्रंप की कट्टर समर्थक के तौर पर सामने आईं। ट्रंप की तरफ से उन्हें अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया एजेंसी के मुखिया के पद पर नियुक्त करने पर गबार्ड ने बुधवार देर रात कहा कि आपकी कैबिनेट के सदस्य के तौर पर अमेरिकी लोगों की सुरक्षा, रक्षा व आजादी के लिए काम करने का अवसर देने पर आपका धन्यवाद, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। गबार्ड ने भारत के साथ संबंधों को खास तरजीह देने की वकालत की गबार्ड ने पूर्व में हमेशा से भारत के साथ संबंधों को खास तरजीह देने की वकालत की है। कई मौकों पर उन्होंने भारत के हितों का खुल कर समर्थन किया है। भारत ने जब अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र में पेश किया था तो सबसे पहला समर्थन गबार्ड ने ही किया था। बाद में गबार्ड ने मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान मुलाकात भी की थी और उन्हें गीता भी भेंट की। अमेरिका में जब हिंदू धर्म स्थलों पर हमला हुआ तो उन्होंने इसका विरोध किया। हाल ही में जब बांग्लादेश में मंदिरों पर हमलों को लेकर भी इंटरनेट मीडिया पर आवाज बुलंद की। पाकिस्तान व इसके समर्थन से चलने वाले आतंकवादी संगठनों के खिलाफ भी तुलसी काफी कठोर विचार रखती हैं।

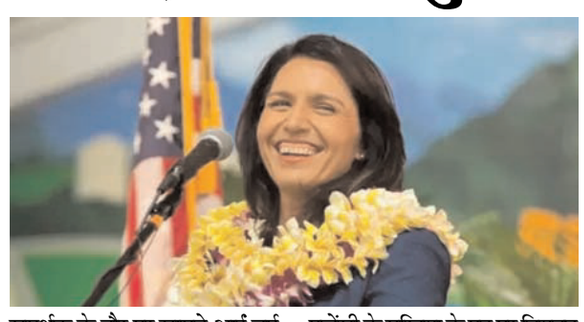

अमेरिकी में राष्ट्रपति चुनाव के बाद पहला बड़ा आयोजन, कैपिटल हिल में धूमधाम से मनाई गई दिवाली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 24 से अधिक सांसदों और भारतीय अमेरिकियों ने 'कैपिटल में दिवाली मनाई। पिछले सप्ताह के राष्ट्रपति चुनाव के बाद अमेरिकी कांग्रेस में यह पहला बड़ा आयोजन था। मंगलवार को ''कैपिटल हिल में दिवाली का वार्षिक आयोजन बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर द्वारा हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन, सिख फॉर अमेरिका, जैन एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका और आर्ट ऑफ लिविंग समेत कई अन्य भारतीय अमेरिकी संगठनों के सहयोग से किया गया था। पिछले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल की थी। दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए सीनेटर रैंड पॉल ने कहा कि अमेरिका अप्रवासियों की भूमि है, जो विश्वभर से सर्वश्रेष्ठ और प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे मिलकर अमेरिका को एक महान देश बनाते हैं। पॉल ने कहा, ''मैं वैध आव्रजन नियमों का बड़ा समर्थक हूं और इसे बढ़ाने के लिए मेरे पास कई विधेयक हैं और मैं इस पर काम करना जारी रखूंगा। दिवाली की शुभकामनाएं। इस मौके पर

भारतीय अमेरिकियों को बधाई देते हुए मिसिसिपी की सीनेटर सिंडी हाइड-स्मिथ ने कहा कि वह अगले चार वर्षों के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, ''हम इस देश में समृद्धि लाना चाहते हैं, उन लोगों के लिए, जो कुछ नया करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''हम आपको प्रोत्साहित करना चाहते हैं, हम एक स्थिर माहौल चाहते हैं। हम एक बेहतरीन अर्थव्यवस्था चाहते हैं। हम हर किसी के लिए एक सुरक्षित जगह चाहते हैं, जहां वे अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। इस समारोह में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी मौजूद थे। क्वात्रा ने अपने संबोधन में कहा, ''यह (दीपावली) एक भारतीय त्योहार है जिसे दुनियाभर में मनाया जाता है। आपकी यहां उपस्थिति, इतने सारे सांसदों और सीनेटर की उपस्थिति ने इसे सबसे खास बना दिया है। यह रिश्ते के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। कांग्रेस सदस्य श्री थानेदार ने कहा, ''मैं हिंदू मंदिरों पर हमलों के मामले में विदेश विभाग के साथ मिलकर काम कर रहा हूं और यह सुनिश्चित कर रहा हूं कि पूरे अमेरिका में हमारे समुदाय की सुरक्षा हो। मैं बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के मामले में भी विदेश विभाग के साथ संपर्क में हूं। अपने संबोधन में कांग्रेस सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा, ''आप अमेरिका में सबसे तेजी से बढ़ने वाले जातीय अल्पसंख्यक हैं। आप सबसे समृद्ध, सबसे शिक्षित हैं। हर सात डॉक्टरों में से एक देसी है। प्रतिनिधि सभा के पूर्व नेता स्टेनी होयर ने देश की प्रगति में भारतीय अमेरिकियों के योगदान की सराहना की।

ट्रंप गुजराती को देने वाले हैं बड़ी जिम्मेदारी

वाशिंगटन एजेंसी। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति का चुनाव जीतने के बाद हर रोज बड़े बड़े फैसले करते दिख रहे हैं। उन्होंने एलन मस्क से लेकर तुलसी गबार्ड को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। हर कोई उनकी कैबिनेट सदस्यों को देख चौंक रहा है। हाल ही में उन्होंने मैट गेट्ज को अटॉर्नी जनरल, पीट हेगसेट को रक्षा सचिव और तुलसी गबार्ड को राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के लिए नामित किया है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि ये सब अनुभवहीन लोग हैं और ट्रंप की ये बड़ी गलती है, लेकिन ट्रंप सबको चौंकाने से पीछे नहीं हट रहे। इसी कड़ी में एक और गुजराती नाम जुड़ा है जिसे ट्रंप का वफादार कहा जाता है।

वफादारों को बड़ी जिम्मेदारी दे रहे ट्रंप : माना जा रहा है कि ट्रंप शीर्ष पदों पर अपने सबसे वफादार व्यक्तियों का चयन कर रहे हैं ताकि वह अपने स्वयं के सहयोगियों के दबाव में कभी न आएं। जो कि पहले कार्यकाल के दौरान कई मामलों में हुआ था। अब ट्रंप गुजराती मूल के काश पटेल को बड़ी जिम्मेदारी दे सकते हैं। पहले माना जा रहा था कि वो काश पटेल को सीआईए प्रमुख बनाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने करीबी सहयोगी जॉन रैटक्लिफ को सीआईए हेड के रूप में नामित किया है। हालांकि, अब पटेल को एफबीआई में शीर्ष पद मिलने की उम्मीद है। एनबीसी ने कहा कि शीर्ष खुफिया एजेंसियों के लिए उनकी संभावित नियुक्ति ने खुफिया समुदाय में अलार्म की घंटी बजा दी है। कुछ अधिकारियों को पहले डर था कि ट्रंप ने पटेल को सीआईए के निदेशक के रूप में नामित किया है। काश पटेल पहले भी ट्रंप के साथ काम कर कई अहम प्रोजेक्ट को पूरा कर चुके हैं।

क्यों पटेल से डर रहा खुफिया समुदाय : दरअसल, पटेल के अमेरिका के खुफिया समुदाय के बारे में कट्टरपंथी विचार हैं, जिसके बारे में वो एक पुस्तक गवर्नमेंट गैंगस्टर्स- द डीप स्टेट, द ट्रुथ एंड द बैटल फॉर अवर डेमोक्रेसी में विचार भी रख चुके हैं। यहां तक की ट्रंप ने कहा कि पटेल की पुस्तक उनके अगले कार्यकाल का खाका होगी। उन्होंने कहा कि ये हर भ्रष्टाचारी को उजागर करने वाला एक शानदार रोडमैप है, जो केवल अमेरिकी लोगों के लिए काम करने के लिए हमारी एजेंसियों और विभागों को वापस काम पर लाएगा। ट्रंप ने ये भी कहा था कि हम इस ब्लूप्रिंट का उपयोग व्हाइट हाउस की ताकत को गैंगस्टरों से वापस लाने और सरकार के सभी पदों को स्वतंत्र बनाने में मदद करने के लिए करेंगे। वकील के रूप में की करियर की शुरुआत 44 वर्षीय पटेल का पूरा नाम कश्यप प्रमोद पटेल है। उनका जन्म न्यूयॉर्क में गुजराती-मूल के परिवार में हुआ। उनका परिवार मूल रूप से वडोदरा का रहने वाला है। हालांकि, माता-पिता माता-पिता यूगांडा में रहते थे, जो पूर्वी अफ्रीका से अमेरिका में आ गए थे। उन्होंने अपनी कानून की डिग्री हासिल करने के लिए न्यूयॉर्क लौटने से पहले रिचमंड विश्वविद्यालय में अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी की। वह आइस हॉकी खिलाड़ी और कोच भी रह चुके हैं।

इस्लामिक राष्ट्र बनेगा बांग्लादेश! संविधान से सेक्युलरिज्म-धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाने का प्रस्ताव

ढाका एजेंसी। हिंसक छात्र आंदोलन के चलते गत पांच अगस्त को शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अब इस्लामिक देश बनने की राह पर बढ़ता दिख रहा है। देश के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद असदुज्जमां ने इसके लिए पैरवी की है। उन्होंने संविधान में बड़े बदलाव करने और धर्मनिरपेक्ष समेत कई प्रमुख शब्दों को हटाने का सुझाव दिया है।

90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम : उन्होंने कहा कि समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता उस देश की वास्तविक तस्वीर पेश नहीं करते, जहां 90 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है। यूनाइटेड न्यूज आफ बांग्लादेश की खबर के अनुसार, असदुज्जमां ने समाजवाद, बंगाली राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्ष और बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को राष्ट्रपिता की उपाधि देने जैसे प्रविधानों को हटाने का सुझाव दिया है।

संविधान संशोधन की वैधता : उन्होंने हाई कोर्ट में बांग्लादेश के 15वें संविधान संशोधन की वैधता पर चल रही सुनवाई के पांचवें दिन इस तरह की पैरवी की। उन्होंने मूल वाक्यांश को पुन- स्थापित करने की वकालत की, जिसमें अल्लाह पर अटूट विश्वास पर जोर दिया गया था। उन्होंने अनुच्छेद नौ में बंगाली राष्ट्रवाद की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठाया और इसे आधुनिक लोकतांत्रित सिद्धांतों के साथ असंगत करार दिया। असदुज्जमां ने यह दलील दी कि ये बदलाव देश को लोकतांत्रिक और ऐतिहासिक चरित्र के अनुरूप बना देंगे। उन्होंने जनमत संग्रह के प्रविधान को फिर से लागू करने की अपील भी की, जिसे 15वें संशोधन में समाप्त कर दिया गया था। अटॉर्नी जनरल ने कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म करने के कदम का भी विरोध किया और कहा कि यह लोकतंत्र पर आघात

है। आखिर में उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार 15वें संशोधन को मोटे तौर पर असंवैधानिक घोषित करना चाहती है और केवल कुछ चुनिंदा प्रविधानों को ही बरकरार रखना चाहती है।

बांग्लादेश छात्र आंदोलन : असदुज्जमां ने सुनवाई के बाद मीडिया से बात की और कहा कि 15वें संविधान संशोधन को बरकरार रखना मुक्ति संग्राम, 1990 के जन विद्रोह और इस वर्ष जुलाई में छात्र आंदोलन की भावना को कमजोर करता है। यह संशोधन अबू सईद और मुग्धो जैसे बलिदानियों के साथ विश्वासघात है।

अटॉर्नी जनरल नियुक्त : बता दें कि बांग्लादेश में जुलाई में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में अबू सईद और मुग्धो जैसे छात्र शामिल थे। हिंसक छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना सरकार अपदस्थ हो गई थी इसके बाद मोहम्मद यूनुस की अगुआई में अंतरिम सरकार बनी।

क्या है 15वां संविधान संशोधन : ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बांग्लादेश की संसद में 30 जून, 2011 को 15वें संविधान संशोधन को पारित किया गया था। इसमें धर्मनिरपेक्षता को बहाल करने के साथ ही शेख मुजीबुर को राष्ट्रपिता की मान्यता दी गई थी, कार्यवाहक सरकार प्रणाली को खत्म किया गया था और संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 45 से बढ़ाकर 50 की गई थी।

जानकारी

सीने में जलन को न करें इग्नोर, हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

गलत खान पान की वजह से लोगों का डाइजेशन सिस्टम खराब हो जाता है जिससे उन्हें एसिडिटी की समस्या हो जाती है। पेट में गैस होने पर सीने में जलन होने लगती है लेकिन अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे और दवा खाने के बाद भी कोई फर्क न पड़े तो यह किसी गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। अधिक समय तक एसिडिटी और जलन की वजह से कैंसर और पेट का अल्सर की समस्या हो सकती है। ऐसे में कुछ सावधानियां बरत कर सीने में जलन की समस्या को कम किया जा सकता है। आइए जानिए इसके लक्षण और सावधानियों के बारे में

लक्षण

- लंबे समय तक सीने में जलन होना
- मुंह का स्वाद खराब रहना और खट्टे डकार आना
- हमेशा छाती में दर्द
- खाने को निगलने में मुश्किल और दर्द होना
- सूखी खांसी
- अधिक देर तक गले में खराश
- गले में गांठ या टॉन्सिल होना

बरतें ये सावधानियां

- ज्यादा धूम्रपान करने से सीने में जलन की समस्या हो जाती है। ऐसे में अगर आपको भी हमेशा एसिडिटी रहती हो तो सिगरेट पीना बंद करें।
- सीने में जलन की समस्या को ठीक करने के लिए एल्कोहल का सेवन न करें।
- एसिडिटी और अफारा का मेन कारण मोटापा है। ऐसे में सबसे पहले वजन कम करें।
- फ्राइड फूड खाने की वजह से भी सीने में जलन होने लगती है। ऐसे में तला-भूना खाना अवॉयड करना चाहिए।

गलत तरीके से खाएंगे ये हेल्दी फूड्स तो बढ़ जाएगी एसिडिटी

गलत खान-पान के कारण बहुत से लोग पेट में गैस की समस्या से परेशान रहते हैं। पेट में गैस बनने के कारण जलन, सिरदर्द और खट्टे डकार आने लगते हैं, जिससे आपका कहीं आने-जाने का मन भी नहीं करता। मगर क्या आप जानते है पेट में गैस्टिक किन चीजों से बनती है। आज हम आपको कुछ ऐसे हेल्दी फूड्स के बारे में बताने जा रहे है, जोकि पेट की गैस का कारण बनते है। गलत तरीके से इन हेल्दी फूड्स का सेवन एसिडिटी का कारण बन सकते हैं। अगर आप भी गैस्टिक की समस्या से बचना चाहते है तो आज ही इन चीजों का सेवन छोड़ दें।

इन फूड्स से बनती है पेट में गैस

डेयरी उत्पादः डेयरी उत्पाद में लैक्टोज होता हैं, जोकि पेट में गैस के साथ-साथ कभी-कभार पेट में सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए जितना हो सके डेयरी उत्पादों से दूर रहे।

प्याजः प्याज में शर्करा जैसे फ्रक्टोज होते हैं जोकि छोटी आंत में ठीक से अवशोषित नहीं होते और जब यह बड़ी आंत की तरफ जाते हैं, तो पेट में गैस बन जाती है। इसलिए कभी भी कच्चे प्यार का सेवन न करें।

तरबूजः गर्मियों में ठंडक के लिए हर कोई बहुत अधिक मात्रा में तरबूज खाना पसंद करता है लेकिन इसमें मौजूद फ्रक्टोज पेट में गैस के साथ सूजन की समस्या भी बढ़ा देता है। इसलिए तरबूज का सेवन कम से कम मात्रा में कम करें।

स्टार्च युक्त आहारः चावल, पास्ता और रोटी जैसे खाद्य पदार्थ खाना तो हर किसी को पसंद होता है। मगर इसमें बहुत अधिक मात्रा में स्टार्च होता है, जोकि आंतों में ठीक से हजम नहीं होता। इसके कारण पेट में गैस बन जाती है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज है ब्लड शुगर कंट्रोल के लिए बेस्ट

हर साल 14 नवंबर को विश्व डायबिटीज दिवस मनाया जाता है। जिसका उद्देश्य लोगों को डायबिटीज के प्रति जागरूक करना और ज्यादा से ज्यादा जानकारी फैलाना है। आइए हम आपको बताते हैं डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रेविटी एक्सरसाइज का कि

डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रैविटी एक्सरसाइज का महत्व

डायबिटीज उस स्थिति को कहा जाता है, जब व्यक्ति का ब्लड शुगर लेवल जरूरत से अधिक हो जाता है। ऐसे में आमतौर पर डायबिटीज को कंट्रोल करने के लिए आपको अपने खानपान पर ध्यान देने और कुछ दवाओं की सलाह दी जाती है। वहीं डायबिटीज को कंट्रोल करने के कई अन्य तरीके भी हैं।

आम तौर पर 60% डायबिटीज रोगी ऐसे हैं, जो व्यायाम के रूप में सिर्फ चलना/वॉकिंग करना पसंद करते है। कुछ 45 मिनट चलते हैं, तो कुछ योगाभ्यास करते है, जिसमें कपालभाती आदि शामिल हैं। ये सारे ही बहुत अच्छे व्यायाम है, क्योंकि कोई भी व्यायाम यदि सही तरीके से किया जाए, तो शरीर को फायदा ही पहुंचाता है। मगर अगर आप डायबेटीज रिव्हर्सल के बारे में सोच रहे हैं तो क्या इतना करना काफी होगा आइए हम आपको बताते हैं।

डायबिटीज रोगियों के लिए एंटी ग्रेविटी एक्सरसाइज कितनी फायदेमंद है

डा. प्रमोद त्रिपाठी, एमबीबीएस, के अनुसार, 'ऐसा देखा गया है की सीढ़ी पर चढ़ने या उतरने से आपका ब्लड शुगर लेवल काफी जल्दी कम होता है। डा. त्रिपाठी का मानना है, इन सारी बातों को ठीक से समझने के लिए व्यायाम और शारीरिक गतिविधियों के बीच का फर्क समझना बहुत जरूरी है। क्योंकि जो लोग सोचते हैं कि दिनभर वे काफी सक्रिय रहते हैं ... तो वह ये जान लें आपके शरीर को उतना काम करने की आदत लग गई है। ये व्यायाम में नहीं आता। एक्सरसाइज तभी बोलेंगे जब आप सही में संरचीत पद्धति से एक विशेष लक्ष्य से काम कर रहे हैं।'

समझें एक्सरसाइज का सही मतलब

व्यायाम के अलग- अलग तरीके हैं, जैसे कि एरोबिक्स, रेसिस्टन्स बँड्स या दोनों को मिलाकर किया हुआ व्यायाम आदि। बहुत सारे डायबिटीज रोगियों का अध्ययन करके ये बात ध्यान में आई है की ज्यादातर लोग बहुत कम व्यायाम करते हैं। लोगों को व्यायाम का असली मतलब समझने की जरूरत है। कौन सी एक्सरसाइज करनी है, कितनी करनी है, इसका प्रमाण हमें ठीक से ज्ञात नहीं होता। कहा जा सकता है कि आप मेहनत कर रहे हैं लेकिन आपकी दिशा सही नहीं है।

एंटी-ग्रेविटी मतलब गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ...इसमे ग्लुकोज का एनर्जी में परिवर्तन होता है। जैसे ही आप सीढ़ियां ऊपर-नीचे चढ़ना (एंटी-ग्रेविटी) शुरू करते हैं, तो आपकी ग्लूकोज की जरूरत बढ़ने लगती है। क्योंकि मसल्स के अंदर, जो स्थिर ग्लुकोज है वो कम पड़ने लगता है और ऑक्सीजन भी कम पड़ने लगती है। जब आप गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध जाते हैं तो आपके शुगर को मसल्स में जाने के लिए इन्सुलिन की जरूरत नहीं पड़ती और एंटी-ग्रेविटी करने का उद्देश्य ही यही है। यानी कहा जा सकता है कि हम खून में होने वाले ग्लूकोज को मसल्स में डाल सके ताकि यही ग्लूकोज चर्बी में रूपांतरित होने से बचे। जितना ग्लूकोज बढ़ेगा उतना आपका इन्सुलिन भी बढ़ेगा। जितना इन्सुलिन बढ़ेगा, उतना ही वो चर्बी को और पानी को खींचकर रखेगा और आप मोटे होते जाओगे.. और मोटापे से फिर कई सारी समस्याएं पैदा होंगी।

रिवर्स करना अगर अपने ठान लिया है, तो शुगर का स्तर जल्दी नीचे लाना बहुत जरूरी है। क्योंकि जितनी शुगर नियंत्रण में रहेगी, उतना इंसुलिन नियंत्रण में रहेगा और उतनी चर्बी नियंत्रण में रहेगी। इससे इन सबका संतुलन बराबर रहेगा इसीलिए एंटी-ग्रेविटी यानी सीढ़ियां ऊपर-नीचे चढ़ना बहुत जरूरी है। इसके अलावा, जो मधुमेह रोगी रिवर्सल के बारे में सोच रहे हैं, उन्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि आपकी PP शुगर 180 के नीचे होनी चाहिए और फास्टिंग शुगर 140 के नीचे होनी चाहिए। एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज आपको खाना खाने के एक घंटा 45 मिनट से 2 घंटे बाद करनी चाहिए। वहीं रिवर्सल के अडजस्टमेन्ट फेज में तीन बार ये 5-10 मिनट करनी बहुत जरूरी है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज में तीन तरीके

- सबसे आसान और उपयोगी है सीढ़ी पर ऊपर-नीचे करना - 100 से शुरू करके 300 तक भी जा सकते हैं। जिसमें एक छोटी सी चेतावनी है कि अगर घुटने में दर्द है या शुरू हो गया है तो ये करना तुरंत रोक दे। अगर आपका बीपी बढ़ रहा है, तो भी यह एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए।
- जिनको घुटनो का दर्द है, उनके लिए नायट्रिक ऑक्साइड डंप एक विकल्प है। यह एक पावरफुल एक्सरसाइज का प्रकार है।
- जिन लोगों से यह भी नही हो पा रहा है, उन्हें पीठ पर लेटकर हाथ और पैर घुमाकर व्यायाम करना चाहिए। ऐसा 2-3 मिनट करें। तो डायबिटीज रिव्हर्सल सिर्फ चलने, योगा से नहीं हो सकता, उसके लिए शरीर की ताकत बढ़ानी होगी और ताकत बढ़ाने के लिए एंटी-ग्रेविटी बेहद जरू री है।

एंटी-ग्रेविटी एक्सरसाइज के फायदे

शुगर कम होता है
हार्ट की एक्सरसाइज हो जाती है
प्रतिरक्षा बढ़ती है
इन्सुलिन रेसिस्टन्स कम होता है
कोलेस्ट्रॉल में फर्क पड़ता है
स्टैमिना बढ़ता है।
वजन घटाने में मदद

सेहत

बच्चों में खराब पेट बन सकता है गंभीर बीमारी की वजह

बच्चों को सही से पॉटी न आना या बहुत दिनों तक पेट खराब रहने से यूरिया साइकिल डिसऑर्डर (यूएसडी) का खतरा बढ़ जाता है। गंभीर यूएसडी वाले बच्चों में इसके लक्षण जन्म के पहले 24 घंटों के भीतर विकसित होते हैं। हर इंसान में यूरीन के बाहर आने का भी एक चक्र होता है। जन्म के बाद से ही बच्चों में यूरीन के बाहर आने का चक्र विकसित होना शुरू हो जाता है। इस बीमारी के तहत जब बच्चा प्रोटीन खाता है, जो उसका शरीर उसे अमीनो एसिड में बदल देता है, बाकी नाइट्रोजन प्रोडक्ट में लिवर नाइट्रोजन को यूरिया में बदलने के लिए कई एंजाइमों की आपूर्ति करता है जो बाद में मल-मूत्र के रुप में शरीर से निकल जाता है। इस प्रक्रिया को यूरिया चक्र कहा जाता है।

कोमा में भी जा सकता है बच्चा

अगर बच्चे को यूरिया चक्र दोष है, तो उसका लिवर यूरिया साइकिल की जरूरतों के हिसाब से काम नहीं कर पाता है। इस तरह से जब बच्चे का शरीर नाइट्रोजन, अमोनिया को बाहर नहीं निकाल पाता है तो इसके हानिकारक पदार्थ ब्लड में मिल जाते हैं। ब्लड के साथ सर्कुलेट होने से ये हानिकारक पदार्थ मस्तिष्क की क्षति का कारण बन सकते हैं, जिससे बच्चा कोमा में भी जा सकता है।

इस कारण होती है ये बीमारी

- शरीर में ओटीसी, एएसडी का कम होना
- पेरेंट्स से डिफेक्टिव जीन का बच्चे में ट्रांसफर होना
- ज्यादा प्रोटीन लेने से
- जन्म से ही लिवर खराब होने से

लक्षण

- खाने की चीजों को नापसंद करना
- बार-बार उल्टी होना
- अधिकतर सोते रहना
- बेहोशी की हालत में रहना

उपाय

बच्चों को प्रोटीन युक्त खाने की चीजें देने से परहेज करें और उन्हें उच्च कैलोरी वाले आहार ज्यादा मात्रा में दें। इससे बच्चों में यूरिया साइकिल डिसऑर्डर को कम किया जा सकता है। इसके लिए बच्चों को 6 महीने बाद से ही फल और सब्जियों को किसी न किसी रूप में दें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन — दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3353

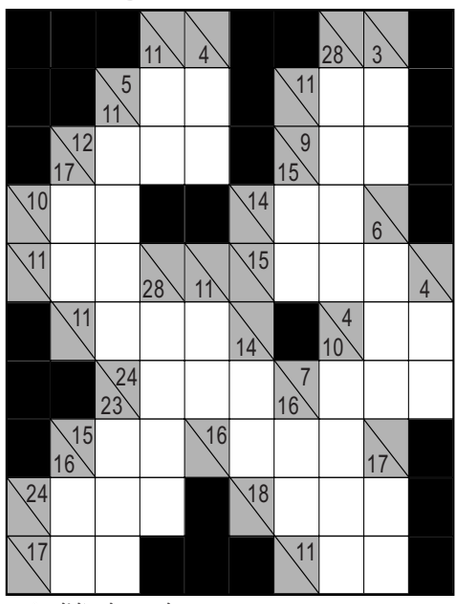

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

	1	2	3	4	6
6					
8					
9					

5+6+7+8+9 = 35
4+6+7+8+9 = 34
5+7+8+9 = 29
6+7+8+9 = 30

काकुरो - 3352 का हल

■	5 22		■	■	■	■	■	■
9 4	5	30	■	16 11	■	6 10		
18	1	8	9	11	9	2	12 3	9
■	16	9	7	10 9	7	3	3 7 2	1
■	■	10 7	6	4	10	5	4	1
■	11 16	1	8	2	3 3	1	2	29 11
11	9	2	4 18	3	1	8 17	1	5 2
13	7	4	2	11 9	2	9	16 13	7 9
■	■	8	7	1	24	8	7	9
■	■	17	9	8	■	14	6	8

हंसी के फव्वारें

एक साहब अपने दोस्त से कहने लगे- ''मेरी घरवाली बहुत झुठी है. वह कल दो घण्टे घर से गायब रही और वापसी पर मुझे बताया कि वह अपनी सहेली गीता के साथ फिल्म देखने गई थी !''

''मगर तुम्हें इस बात का पता कैसे चला कि वह झूठ बोल रही है.''

''उस समय मैं गीता के साथ फिल्म देख रहा था.'' साहब ने जवाब दिया.

इस पर दोस्त खामोश हो गया.

□ □ □

एक महिला एक निमन्त्रण में गई.

वहां उसने हर व्यक्ति को अपनी उम्र अलग-अलग बताई.किसी को बीस, किसी को पच्चीस तो किसी को तीस. यह देख उसकी एकमात्र बेटी उसे खींचकर कोने में ले गई और बोली-''मम्मी ! तुम किसी को कुछ भी आयु बताओ ! मगर इतना ध्यान अवश्य रखना कि मेरी और तुम्हारी उम्र में कम-से-कम नौ महीने का अन्तर रहे.''

□ □ □

एक आदमी ने जज से अपनी घरवाली को तलाक देने का कारण बताते हुए कहा- ''मेरी घरवाली ने शादी के बाद से अब तक केवल एक बेटी को जन्म दिया है. मगर मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं एक बेटे का बाप बनूं.''

इस पर पत्नी तमककर बोली-''जज साहब ! अगर मैं इनके भरोसे रहती तो यह बेटी भी नहीं होती !''

फिल्म वर्ग पहेली- 3353

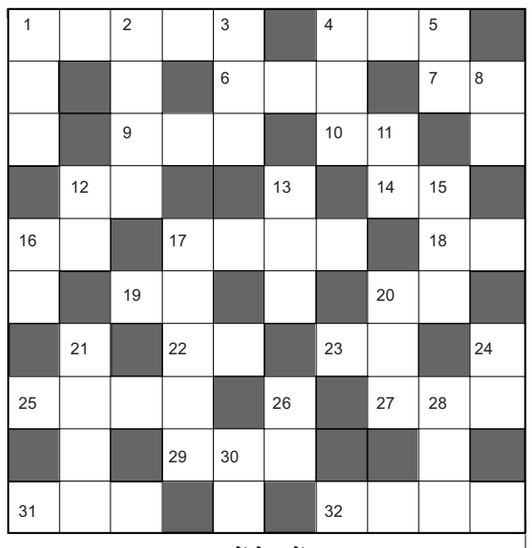

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, खीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका ?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है ?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3352

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	स्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्पा	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	रा	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	हा	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

सूडोकु -3353

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3352 का हल

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	1	7	4	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 3353

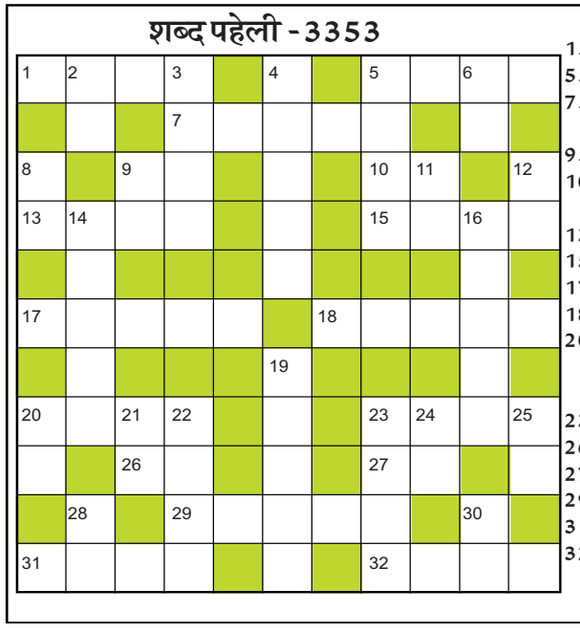

बाएँ से दाएँ

1. सफल,उत्तीर्ण-4
5. ओस,रजनीजल-4
7. फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9. महीना,मास-2
10. साल का बारहवां भाग-2
13. पुचकारना-4
15. विष्णु,चक्रधारी-4
17. निरुत्तर होना-5
18. अपनत्व-5
20. असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23. निकृष्ट,अल्पतर-4
26. अंधकार-2
27. बुरा आदत-2
29. रसायन संबंधी-5
31. ब्राम्हण,सम्राट-4
32. गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2. मां,आई,मदर-2
3. बारिश का गिरना-4
4. निर्माता,रचयिता-5
5. लज्जाना -4
6. मुलायम-2
8. उम्मीद-2
9. हार,जयमाल-2
11. हरे रंग का-2
12. वचन,प्रतिज्ञा-2
14. हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16. जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19. विलेन,नायक का विलोम-5
20. बादल-2
21. बुरी आदत-2
22. यम,मृत्यु का देवता-4
23. पानी के बहने की आवाज-2,2
24. वोट,अभिमत-2
28. इस जगह-2
30. कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 3352 का हल

क	ल	ह	■	म	■	प	र	दा	न	शी
पू	■	क	ल	श	■	छ	बी	ल	■	त
त	ल	■	■	व	■	ता	■	■	सा	ल
■	ल	■	धा	रा	प्र	वा	ह	■	व	■
म	क	ब	रा	■	था	■	म	हा	न	ता
■	■	■	वा	दा	■	मा	स	■	■	■
ह	म	रा	ही	■	पा	■	फ	र	मा	न
■	यू	■	क	हा	नी	का	र	■	य	■
ख	र	■	■	थी	■	र	■	■	का	न
प	■	ब	र	खा	■	ना	र	द	■	य
त	र	स	खा	ना	■	मा	■	म	न	न

द राणा दग्गुबाती शो की दस्तक जल्द, प्राइम वीडियो ने दिलचस्प अंदाज में दी जानकारी

बहुमुखी प्रतिभा के धनी राणा दग्गुबाती ने फिल्मों में अपनी दमदार भूमिकाओं से दर्शकों का दिल जीता है। दग्गुबाती ने ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली से एक अभिनेता के रूप में राष्ट्रीय लोकप्रियता हासिल की, लेकिन अब वह अपने रचनात्मक पक्ष के विस्तार पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।राणा दग्गुबाती अपना टॉक शो ला रहे हैं। इसके लिए उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो के साथ सहयोग किया है।

द राणा दग्गुबाती शो के लॉन्च डेट से उठा पर्दा

राणा दग्गुबाती, अमेजन प्राइम वीडियो के साथ मिलकर अपना टॉक शो द राणा दग्गुबाती शो लॉन्च कर रहे हैं। आगामी टॉक शो से अभिनेता का एक पोस्टर साझा करते हुए, निर्माताओं ने खुलासा किया कि नया शो 23 नवंबर, 2024 को रिलीज होगा। राणा दग्गुबाती द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में आठ एपिसोड होंगे। शो में टॉलीवुड हस्तियों के जीवन की एक अनफिल्टर्ड झलक देखने को मिलेगी। पोस्टर को एक्स पर साझा करते हुए प्राइम वीडियो इंडिया ने कैप्शन में लिखा, सितारों को आप जानते हैं, उनकी कहानियों को नहीं। द राणा दग्गुबाती शो, अमेजन प्राइम वीडियो पर। नए पोस्टर में राणा हमेशा की तरह शानदार दिख रहे हैं। पोस्टर में अभिनेता का कूल अंदाज देखते ही बन रहा है।

टॉक शो में नजर आएंगे ये सितारे

दिलचस्प बात यह है कि जब शुरुआत में इस सीरीज की घोषणा की गई थी तो इसे राणा कनेक्शन के रूप में पेश किया गया था। हालांकि, अब इसका शीर्षक बदलकर द राणा दग्गुबाती शो कर दिया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म के अनुसार, शो में कई सितारे शामिल होंगे, जिनमें दुलकर सलमान, नागा चैतन्य अक्किनेनी, सिद्धू जोनलगड्डा, श्री लीला, नानी, एस.एस. राजामौली, राम गोपाल वर्मा और कई अन्य शामिल हैं।

पुष्पा 2 द रूल में होगा श्रीलीला का स्पेशल सॉन्ग, ये अभिनेत्रियां कर चुकी हैं आइटम नंबर

बॉलीवुड और टॉलीवुड फिल्मों में अक्सर प्रशंसकों का ध्यान खींचने के लिए एक स्पेशल सॉन्ग या फिर आइटम नंबर होता है, ताकि जिससे प्रशंसकों का ध्यान फिल्म की ओर और आकर्षित हो सके। हाल ही में पुष्पा 2 के फिल्म मेकर्स ने श्रीलीला के आइटम नंबर की पुष्टि की है। श्रीलीला के पहले भी कई अभिनत्रियां फिल्मों में आइटम नंबर में डांस का तड़का लगा चुकी हैं। बॉलीवुड और साउथ की अभिनेत्रियों ने कई फिल्मों में अपने आइटम नंबर्स से प्रशंसकों का दिल जीता है। इस लिस्ट में मलाइका अरोड़ा, सामंथा रुथ प्रभु, करीना कपूर के अलावा अब एक और नाम जुड़ गया है और वो है श्रीलीला।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म का पहला पार्ट ब्लॉकबस्टर रहा था। वहीं सीक्वल को लेकर भी प्रशंसक जबर्दस्त उत्साहित हैं। दर्शकों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए मेकर्स ने फिल्म में एक स्पेशन गाने को लेकर घोषणा कर दी है। साउथ सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीलीला पुष्पा 2ः द रूल में एक स्पेशल गाने के जरिए दर्शकों का दिल जीतने वाली हैं। मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर के साथ खुलासा किया है कि पुष्पा 2ः द रूल में श्रीलीला एक स्पेशल सॉन्ग करती नजर आएंगीं। पुष्पा 2 द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामंथा रुथ प्रभु

श्रीलीला से पहले पुष्पा द राइज में सामंथा रुथ प्रभु ने अपने धमाकेदार आइटम नंबर से सभी का दिल जीत चुकी हैं।

पुष्पा द राइज में अल्लू अर्जुन के साथ सामंथा ने ऊ अंटवावा गाने में जबर्दस्त डांस किया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया था। यह गाना जब रिलीज हुआ तो काफी ट्रेंडिंग में रहा था। इस गाने में सामंथा और अल्लू के डांस और उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को बेहद पसंद आई थी।

करीना कपूर खान

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान वैसे तो फिल्मों में लीड रोल निभाने के लिए जानी जाती हैं। लेकिन उन्होंने सलमान खान की फिल्म दबंग 2 में फेविकोल गाने पर जबर्दस्त डांस किया था। इस गाने में करीना की केमिस्ट्री सलमान खान के साथ खूब जमी थी। करीना और सलमान के डांस ने सभी को हैरान कर दिया था। यह गाना भी काफी समय तक ट्रेंडिंग में रहा था।

मलाइका अरोड़ा

अब बात करते हैं मलाइका अरोड़ा की। मलाइका ने फिल्मों में कम ही अभिनय किया है। उन्होंने फिल्मों में आइटम नंबर्स ज्यादा किए हैं। उनका गाना मुन्नी बदनाम उनके बेहतरीन आइटम नंबर्स में से एक है। फिल्म दबंग का मुन्नी बदनाम गाना काफी प्रसिद्ध हुआ था। इस गाने में मलाइका और सलमान की लाजवाब केमिस्ट्री ने सभी का दिल जीत लिया था। इसके अलावा मलाइका ने और भी कई फिल्मों में आइटम नंबर्स किए हैं, जिनमें होठ रसीले और अनारकली डिस्को चली जैसे कई गाने शामिल हैं।

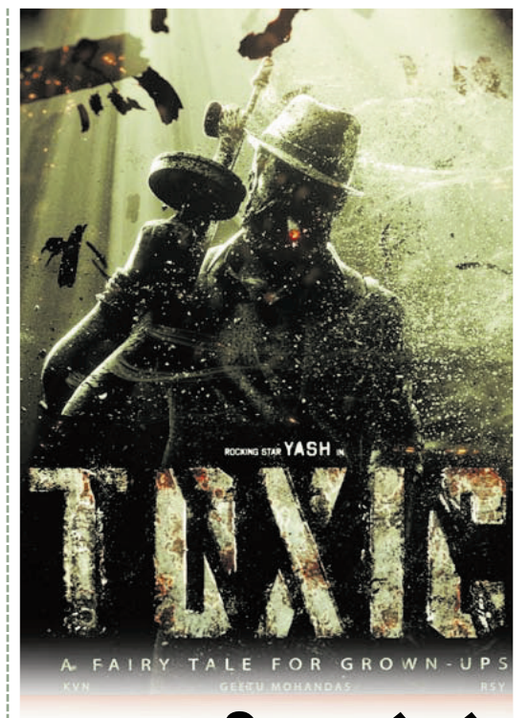

कानूनी पचड़े में फंसी रॉकी भाई की टॉक्सिक

बीते दिनों खबर आई थी कि अभिनेता यश की फिल्म टॉक्सिक पर संकट के बादल मंडराए हैं। कहा गया कि अभिनेता की फिल्म शूटिंग सेट निर्माण के लिए पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर कानूनी विवाद में फंस गई है। पेड़ों की कटाई के मामले पर कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने आपत्ति जताते हुए अधिकारियों को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए। अब खबर आई है कि निर्माताओं के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

दर्ज हुई एफआईआर

रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु में फिल्म का सेट बनाने के लिए वन भूमि पर पेड़ों को अवैध रूप से काटने के आरोप में निर्माताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। केनरा बैंक के महाप्रबंधक और हिंदुस्तान मशीन टूल्स (एचएमटी) के महाप्रबंधक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। इससे पहले कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने बेंगलुरु के एचएमटी में वन क्षेत्र में यश की फिल्म टॉक्सिक की शूटिंग के लिए पेड़ों की अवैध कटाई की निंदा की। साइट निरीक्षण और सैटेलाइट इमेज की समीक्षा के बाद ईश्वर खंड्रे ने सख्त कानूनी कार्रवाई की घोषणा की। उन्होंने वन संरक्षण की आवश्यकता और संरक्षित क्षेत्रों में अनधिकृत गतिविधियों के लिए जवाबदेही पर जोर दिया। टॉक्सिक फिल्म के सेट के निर्माण के लिए पेड़ों की कथित अवैध कटाई पर, कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे ने एएनआई से बातचीत में कहा था, मैंने उस जगह (एचएमटी से संबंधित भूमि) का दौरा किया जहां बेंगलुरु में टॉक्सिक फिल्म की शूटिंग की जा रही है। मैंने कई लोगों को देखा। वहां पेड़ काटे गए थे। पिछले साल की सैटेलाइट तस्वीरों में उस इलाके में कई पेड़ देखे जा सकते हैं। मैंने ब्क्क्स्क से इस मामले पर रिपोर्ट देने को कहा है। हम जांच के बाद उचित कार्रवाई करेंगे। हम बेंगलुरु में एक और लाल बाग या कब्बन पार्क जैसा पार्क बनाएंगे। उनके निर्देशों के बाद अब मामला दर्ज होने की खबर आई है।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

यश की मुख्य भूमिका वाली टॉक्सिक 2025 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। गीतू मोहनदास निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग तेजी से चल रही है। इसमें कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। इसके अलावा नयनतारा, तारा सुतारिया, श्रुति हासन और हुमा कुरैशी के होने की खबर भी है। फिल्म में एक्शन का तगड़ा डोज दिया जाएगा। इसके लिए हॉलीवुड के एक्शन डायरेक्टर जेजे पेरी भी टीम से जुड़े हैं।

महावतार में चिरंजीवी परशुराम के रोल में विक्की कौशल का लुक जारी, इस दिन रिलीज होगी फिल्म

निर्देशक अमर कौशिक की फिल्म महावतार में विक्की कौशल चिरंजीवी परशुराम भगवान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्की के लुक की काफी प्रशंसा हो रही है। फिल्म महावतार योद्धा चिरंजीवी परशुराम की कहानी है। फिल्म में विक्की कौशल भगवान परशुराम की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक करेंगे।

फिल्म के पोस्टर और टीजर के साथ निर्देशक-निम्ता ने फिल्म महावतार की रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। मैडॉक फिल्म्स-विक्की कौशल को सोशल पोस्ट मैडॉक फिल्म्स और विक्की कौशल दोनों ने ही अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म महावतार का पहला लुक जारी किया है, जिसे विक्की कौशल की फिल्मों में अब तक का सबसे धांसू और जबर्दस्त लुक कहा जा रहा है। इस लुक को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए मैडॉक फिल्म्स ने लिखा, दिनेश विजन धर्म के शाश्वत योद्धा की कहानी को जीवंत करेंगे। आगे लिखा, अमर कौशिक द्वारा निर्देशित ∎महावतार में विक्की कौशल ने चिरंजीवी परशुराम की भूमिका निभाई है। यह फिल्म सिनेमाघरों में क्रिसमस के मौके पर साल 2026 को रिलीज होगी। महाभारत और विष्णुपुराण के अनुसार परशुराम का मूल नाम राम था किन्तु जब भगवान शिव ने उन्हें अपना परशु नामक अस्त्र प्रदान किया तभी से उनका नाम परशुराम हो गया।

'स्काई फोर्स' की कास्ट में शामिल हुईं निमरत कौर

निमरत कौर भारतीय सिनेमा की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपने शानदार करियर के दौरान, कौर ने अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ निभाकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। अब, अपनी उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, ऐसा लगता है कि निमरत अगले साल रिलीज़ होने वाली आगामी फ़िल्म स्काई फोर्स में अक्षय कुमार के साथ काम करने वाली हैं। अफ़वाह है कि निमरत कौर एक अहम भूमिका निभाएँगी, जिससे फ़िल्म की गति बढ़ेगी और इसकी कहानी में गहराई आएगी। निमरत कौर के पास दमदार भूमिकाएँ निभाने का ट्रैक रिकॉर्ड है और वह फ़िल्म में नए आयाम तलाशने से न डरने वाली अभिनेत्री के तौर पर एक मिसाल हैं। एयरलिफ्ट, द लंचबॉक्स, सजनी शिंदे का वायरल वीडियो और अन्य फ़िल्मों में उनके अभिनय को लोगों ने देखा है। अक्सर महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नज़र आने वाली निमरत कौर ने अपने किरदारों के चयन के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से सराहना हासिल की है। इस बीच, स्काई फोर्स एक आगामी युद्ध फ़िल्म है, जिसका निर्देशन प्रशंसित फ़िल्म निर्माता अभिषेक अनिल कपूर और संदीप केवलानी कर रहे हैं। अगर निमरत कौर के शामिल होने की अफवाहें सच होती हैं, तो वह अक्षय कुमार, सारा अली खान और वीर पहारिया जैसे अन्य लोगों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नज़र आएंगी। स्काई फ़ोर्स 24 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

कंगुवा के अलावा इन फिल्मों में नजर आएंगे सूर्या, सूर्या 43-सूर्या 44-सूर्या 45 भी शामिल

साउथ अभिनेता सूर्या इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कंगुवा को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। कंगुवा के अलावा सूर्या की कई फिल्में आने वाली हैं, जिनमें सूर्या 43, सूर्या 44 और सूर्या 45 शामिल हैं।

कंगुवा

साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म कंगुवा को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। फिल्म का हिंदी ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। ट्रेलर में सूर्या और बॉबी देओल का खतरनाक लुक सभी को पसंद आया। वहीं फिल्म में दिशा पाटनी, नटराजन सुब्रमण्यम भी नजर आएंगे। वैसे देखा जाए तो फिल्म की झलक किसी हॉलीवुड से कम नहीं है।1 मिनट 30 सेकंड के इस ट्रेलर में कंगुआ की शक्ति को दर्शाया गया है। इसकी शुरुआत ही कंगुआ के बेहद खतरनाक डायलॉग से होती है। फिल्म 14 नवंबर को बाल दिवस पर रिलीज होगी। यह सूर्या की 42वीं फिल्म है।

सूर्या 43

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक सुधा कोंगारा और अभिनेता सूर्या का आगामी प्रोजेक्ट सूर्या 43 है, जिसे पुरननूरू के नाम से भी जाना जाता है। सूर्या के अलावा इस फिल्म में दुलकर सलमान, माधवन, विजय नजर आएंगे।

सूर्या 44

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्या 44 कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित एक ड्रामा तमिल फिल्म होगी, फिल्म की स्टार कास्ट में सूर्या शिवकुमार और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। यह एक रोमांटिक एक्शन ड्रामा फिल्म होगी। इसे स्टोन बेंच फिल्म्स और 2डी एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित किया जाएगा। फिल्म में सूर्या और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिकाओं में हैं। सूर्या के अलावा जयराम, जोजू जॉर्ज, करुणाकरण, नासर, प्रकाश राज, सुजीत शंकर, थमिज और प्रेम कुमार नजर आएंगे। फिल्म की आधिकारिक घोषणा मार्च 2023 में अस्थायी शीर्षक सूर्या 44 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अभिनेता की मुख्य अभिनेता के रूप में 44वीं फिल्म है। फिल्म की शूटिंग अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ऊटी, केरल और चेन्नई में हुई है।

सूर्या 45

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्या 45 एक एक्शन तमिल फिल्म है, जिसका निर्देशन आरजे बालाजी ने किया है। सूर्या 45 की आधिकारिक तौर पर पूजा समारोह के साथ शुरुआत हुई थी और फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन स्टेज पर है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बालाजी इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर एक साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं और शूटिंग स्थानों को अंतिम रूप देने के लिए कई जगहों का दौरा कर चुके हैं।

जान्हवी कपूर को पसंद आई वरुण धवन की सिटाडेलः हनी बन्नी

हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेल- हनी बन्नी में वरुण धवन और सामंथारूथ प्रभु एक साथ नजर आए हैं। इस सीरीज में दोनों के अभिनय को काफी पसंद किया जा रहा है। जिस वजह से सीरीज को सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं। अमेजन प्राइम वीडियो के पोस्ट के मुताबिक ये शो दुनिया भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज की सूची में शीर्ष स्थान अर्जित किया है। अब इस सीरीज को लेकर अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने भी समीक्षा की है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सिटाडेल- हनी बनी की पूरी टीम को धन्यवाद दिया है। इसमें उन्होंने लिखा, क्या शानदार शो है, दुनिया को हिलाकर रख दिया, बहुत खुश हूं, इतनी मेहनत का फल इतना प्यार मिला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011